नई दिल्ली ■ सोमवार 08 दिसंबर 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 250 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खब

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 मध्य प्रदेश में औद्योगिक उछाल और नई ... | 07 स्मिथ के शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया दूसरा टेस्ट ... | 'मस्ती 4' में अपनी छवि को लेकर था डरः एलनाज नोरोजी 08

गोवा के नाइट क्लब में लगी आग

25 लोगों की मौत

पणजी। उत्तर गोवा का लोगों से खचाखच भरा एक नाइटक्लब रविवार आधी रात के बाद आग की भीषण लपटों में घिर गया, जिससे 25 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। इस हादसे ने क्लब में कथित अवैध गतिविधियों और सुरक्षा मानकों की अनदेखी को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने पहले कहा था कि ऐसा प्रतीत होता है कि संभवतः सिलेंडर विस्फोट के कारण आग लगी, लेकिन इस त्रासदी में बचे एक पर्यटक ने दावा किया कि नृत्य प्रस्तुति के दौरान आतिशबाजी की गई और वही आग लगने की असली वजह हो सकती है।

अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि लोग पणजी से 25 किलोमीटर दूर अरपोरा स्थित 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइट क्लब के भूतल पर फंस गए थे, जिसके कारण अधिकतर लोगों की मौत दम घुटने से हुई। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने उन अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का संकल्प जताया, जिन्होंने सुरक्षा मानदंडों के उल्लंघन के बावजूद क्लब के संचालन की अनुमति दी। एक ग्राम अधिकारी ने दावा किया कि निर्माण अनधिकृत था और मालिकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के मुताबिक, मृतकों में चार पर्यटक और 14 कर्मचारी शामिल हैं, जबकि बाकी सात की पहचान अभी नहीं हो पाई है। कांग्रेस के एक नेता ने आरोप लगाया कि इस प्रतिष्ठान के पास अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) या शराब बेचने की अनुमति भी नहीं थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, "पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइट क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

उन्होंने बताया कि क्लब प्रबंधक और कार्यक्रम आयोजकों के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। अधिकारी के अनुसार, पुलिस ने अरपोरा-नागोवा पंचायत के सरपंच रोशन रेडकर को हिरासत में लिया है, जिन्होंने 2013 में परिसर के लिए व्यापार लाइसेंस जारी किया था। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आग पहली मंजिल पर लगी थी और भीड़भाड़ होने एवं छोटे दरवाजों के कारण लोग बाहर नहीं भाग सके। मुख्यमंत्री सावंत ने बताया, "कुछ लोग भूतल पर भाग गए और वहीं फंस गए।" उन्होंने कहा, "हम क्लब प्रबंधन और उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे, जिन्होंने सुरक्षा मानदंडों के उल्लंघन के बावजूद इसे संचालित करने की अनुमति दी। राज्य में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना ऐसे समय में हुई है, जब बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं। हम घटना की मजिस्ट्रेट से विस्तृत जांच कराएंगे और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।" सावंत ने कहा कि गोवा नाइटक्लब में लगी आग के मामले में मुख्य महाप्रबंधक सहित तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि गोवा सरकार ने घटना की जांच के लिए समिति गठित की है, जो एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

गोवा अग्निकांडः राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने दुख जताया, अनुग्रह राशि देने का ऐलान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई नेताओं ने इस घटना में लोगों की मौत होने पर दुख व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने नाइट क्लब में आग लगने की घटना के बाद राज्य के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत से बात की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा, "गोवा के अरपोरा में हुए हादसे में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को पचास-पचास हजार रुपये दिए जाएंगे।

घटना की जांच के लिए समिति गठित

राज्य सरकार ने घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाई है। इसमें दक्षिण गोवा कलेक्टर, डिप्टी डायरेक्टर, फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज, डायरेक्टर, फॉरेंसिक लैब शामिल हैं। यह समिति एक हफ्ते में रिपोर्ट देगी।

चार स्टाफ गिरफ्तार, मालिकों की तलाश

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने रविवार को बताया कि हादसे के तुरंत बाद पुलिस ने क्लब के चार कर्मचारियों, मुख्य जनरल मैनेजर राजीव मोडक, जीएम विवेक सिंह, बार मैनेजर राजीव सिंघानिया और गेट मैनेजर रियांशु ठाकुर, को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं सीएम प्रमोद सावंत ने कहा, क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

बिना अनुमति के चल रहा था क्लब

मुख्यमंत्री ने बताया कि क्लब कई नियमों का उल्लंघन करते हुए चल रहा था। उन्होंने कहा, 'जिन सरकारी अधिकारियों ने नियमों की अनदेखी कर क्लब को चलने दिया, उन पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।' उन्होंने मुख्य सचिव डॉ. वी. कंदवेलू और डीजीपी आलोक कुमार को निर्देश दिया है कि जांच करके दोषियों की पहचान की जाए।

इंडिगो ने अब तक 610 करोड़ रुपये के रिफंड की प्रक्रिया पूरी कीः सरकार

मुंबई। इंडिगो ने रद्द या अत्यधिक विलंबित उड़ानों के लिए अब तक 610 करोड़ रुपये के रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर ली है और शनिवार तक 3,000 नग सामान यात्रियों तक पहुंचा दिया गया है। सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी। सरकार ने कहा कि देश का विमानन नेटवर्क तेजी से सामान्य स्थिति की ओर लौट रहा है और परिचालन पूरी तरह स्थिर होने तक सभी सुधारात्मक कदम लागू रहेंगे।

सरकार ने शनिवार को एयरलाइन को निर्देश दिया था कि रद्द उड़ानों से संबंधित टिकटों का रिफंड रविवार शाम तक पूरा किया जाए और यात्रियों के छूटे हुए सामान को अगले 48 घंटे के भीतर उन तक पहुंचाया जाए। मंत्रालय ने कहा कि इंडिगो के हालिया परिचालन संकट के कारण उत्पन्न व्यवधान को दूर करने के लिए तेज और प्रभावी कदम उठाए गए हैं, ताकि यात्रियों को आगे कोई असुविधा न हो। नागर विमानन मंत्रालय ने अपनी विज्ञप्ति में कहा, इंडिगो अब तक 610 करोड़ रुपये का रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर चुका है। रद्द उड़ानों से प्रभावित यात्रियों के यात्रा पुनर्निर्धारण में किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। यात्रियों की सहायता के लिए विशेष सहायता केंद्र बनाए गए हैं, ताकि रिफंड और दोबारा बुकिंग से जुड़े मुद्दों का त्वरित समाधान हो सके। मंत्रालय ने बताया कि देशभर में हवाई सेवाएं तेजी से सामान्य हो रही हैं।

इंडिगो एयरलाइंस संकट की चार डीजीसीए अधिकारी के साथ मिलकर करेंगे जांचः नायडू

नई दिल्ली। देशभर में इंडिगो एयरलाइंस की सैकड़ों उड़ानों के रद्द होने और देरी से यात्रियों को हो रही भारी परेशानी के बीच केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने इस मामले पर कहा कि चार डीजीसीए अधिकारियों के साथ मिलकर विस्तृत जांच की जाएगी। उसी आधार पर एक्शन लिया जाएगा। इंडिगो की उड़ानों में जारी व्यवधान पर मंत्री नायडू ने कहा कि पिछले तीन दिनों से लगातार इस मुद्दे पर काम कर रहे हैं। इंडिगो, एयरपोर्ट संचालकों और सभी हितधारकों के साथ चर्चा की।

उड्डयन मंत्रालय की कार्रवाई से हवाई संचालन में तेजी से सुधार

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की समय पर कार्रवाई के चलते, देश भर में हवाई यात्रा संचालन तेज़ी से स्थिर हो रहा है, जिससे इंडिगो के परिचालन संकट से उत्पन्न व्यवधान से परेशान यात्रियों को अब और असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। मंत्रालय ने रविवार को बताया कि दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई जैसे सभी प्रमुख हवाई अड्डों के निदेशकों ने पुष्टि की है कि सभी टर्मिनलों पर स्थिति अब सामान्य है। चेक-इन या बोर्डिंग पॉइंट पर अब कोई भीड़भाड़ नहीं है। हवाई अड्डा संचालकों और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) द्वारा बेहतर निगरानी और समय पर सहायता प्रदान करके जमीनी सहायता को मजबूत किया गया है। मंत्रालय के मुताबिक, इंडिगो ने अपने संचालन में तेज़ी से सुधार किया है। उड़ानों की संख्या बढ़ी है। इंडिगो की उड़ानें शुक्रवार को केवल 706 थीं लेकिन अगले दिन शनिवार को बढ़कर 1,565 हो गईं।

संक्षिप्त खबरें

भोजपुरी स्टार पवन सिंह को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से मिली धमकी

पटना। भोजपुरी सुपरस्टार पावर स्टार पवन सिंह को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की ओर से धमकी मिलने का मामला सामने आया है। उन्हें यह धमकी सलमान खान के साथ मंच शेयर ना करने के लिए मिली है। सूत्रों के अनुसार पवन सिंह को यह धमकी बिग बॉस के फिनाले में शामिल होने से ठीक पहले एक फोन कॉल के जरिए दी गई। कॉल करने वाले ने खुद को बिश्नोई गिरोह से जुड़ा बताया और पवन सिंह को कार्यक्रम में जाने से रोकने की कोशिश की,। इस कॉल में यही कहा गया कि सलमान खान के साथ अगर मंच साझा किया तो आगे कभी काम नहीं कर पाएंगे। साथ ही पवन सिंह से मोटी रकम मांगी गई।

छत्तीसगढ़ः जशपुर में कार-ट्रक की टक्कर में पांच लोगों की मौत

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में रविवार को एक कार और ट्रक की टक्कर में चार पुरुषों और 17 वर्षीय एक लड़के की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना दुलदुला थाना क्षेत्र के पतराटोली गांव के पास तड़के उस समय हुई, जब कार सवार लोग मनोरा के पास एक मेले में 'ऑर्केस्ट्रा शो' देखने के बाद अपने पैतृक स्थान खटंगा लौट रहे थे। दुलदुला थाना प्रभारी केके साहू ने बताया, "कार और ट्रक के बीच आमने-सामने की हुई टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। कार सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।" घटना के बाद कुछ ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को इस दुर्घटना की सूचना दी। अधिकारी ने बताया कि दुलदुला थाना पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से क्षतिग्रस्त वाहन से शवों को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान रामप्रसाद यादव , उदय कुमार चौहान, सागर त्रिकी, दीपक प्रधान और अंकित तिग्गा के रूप में हुई है। ये सभी खटंगा निवासी थे। साहू ने बताया कि दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया और उसकी तलाश जारी है।

महाराष्ट्रः गहरी खाई में गिरी इनोवा कार, छह लोगों की मौत

नासिक। कलवान तालुका के सप्तश्रृंग गढ़ घाट में रविवार को एक कार के 600 फुट गहरी खाई में गिर जाने से छह लोगों की मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना शाम चार बजे हुई और मृतक निफाड़ तालुका के पिंपलगांव बसवंत के रहने वाले हैं। अधिकारी ने बताया, उनकी मौके पर ही मौत हो गई। टोयोटा इनोवा वाहन में सात यात्री सवार थे। मृतकों की पहचान कीर्ति पटेल (50), रसीला , विट्ठल (65), लता (60), वचन पटेल (60) और मणिबेन (70) के रूप में हुई है। स्थानीय उप कलेक्टर और जिला आपदा प्राधिकरण के सीईओ रोहित कुमार राजपूत ने बताया कि पुलिस और जिला आपदा प्रबंधन समिति के कर्मियों की तैनाती के साथ अभियान जारी है।

क्रिकेटर स्मृति मंधाना की शादी टूटी

स्मृति ने पुष्टि की, निजता का सम्मान करने की अपील की

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने अपनी जिंदगी को लेकर पिछले कुछ सप्ताह से चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए रविवार को पुष्टि की कि संगीतकार पलाश मुछाल के साथ उनकी शादी "रद्द" कर दी गई है। उन्होंने प्रशंसकों और मीडिया से दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करने का आग्रह किया है। भारत की सबसे प्रमुख महिला क्रिकेटरों में से एक मंधाना ने पिछले महीने अपनी निजी जिंदगी को लेकर अफवाह तेज होने के बाद सोशल मीडिया पर अपना पहला सार्वजनिक बयान जारी किया।

मंधाना ने लिखा, "मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि शादी रद्द कर दी गई है। मैं इस मामले को यहीं समाप्त करना चाहती हूं और आप सभी से भी ऐसा करने का अनुरोध करती हूं।" मंधाना की 23 नवंबर को मुछाल से शादी होने वाली थी, लेकिन इस स्टार क्रिकेटर के पिता श्रीनिवास को दिल से जुड़ी बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था जिसके कारण शादी स्थगित कर दी गई थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा, "पिछले कुछ सप्ताह से मेरी निजी जिंदगी को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं और मुझे लगता है कि इस समय मेरे लिए खुलकर अपनी बात रखना महत्वपूर्ण है।" खुद को एक "बेहद निजी इंसान" करार देते हुए मंधाना ने कहा कि चीजों को स्पष्ट करने की जरूरत के कारण उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने प्रशंसकों और जनता से अनुरोध किया कि वे "दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करें" और उन्हें "इससे निपटने और आगे बढ़ने के लिए जगह दें।

▸▸ विस्तृत खबर पेज-7 पर

पीएम मोदी आज लोकसभा में वंदे मातरम् पर चर्चा शुरू करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर सोमवार को लोकसभा में चर्चा की शुरुआत करेंगे। इसमें राष्ट्रीय गीत के बारे में कई महत्वपूर्ण और अज्ञात पहलुओं के सामने आने की संभावना है। लोकसभा में 'राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा' सोमवार के लिए सूचीबद्ध है और इस पर बहस के लिए 10 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस चर्चा में दूसरे वक्ता होंगे। इस चर्चा में लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई और प्रियंका गांधी वाड्रा सहित अन्य सदस्य भी शामिल होंगे।

संसद में यह चर्चा, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित और जदुनाथ भट्टाचार्य द्वारा संगीतबद्ध वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर वर्ष भर आयोजित होने वाले समारोह का हिस्सा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उस पर 1937 में इस गीत से प्रमुख छंदों को हटाने और विभाजन के बीज बोने का आरोप लगाया था। सात नवंबर को, मोदी ने वंदे मातरम के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में वर्ष भर आयोजित होने वाले समारोहों की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं और छात्रों के बीच इस गीत के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। अधिकारियों ने बताया, चर्चा के दौरान वंदे मातरम से जुड़े कई महत्वपूर्ण और अनजाने पहलू देश के सामने आएंगे।₹ गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को राज्यसभा में चर्चा की शुरुआत करेंगे और स्वास्थ्य मंत्री एवं राज्यसभा के नेता जे पी नड्डा दूसरे वक्ता होंगे। लोकसभा में चुनाव सुधारों पर भी चर्चा होगी, जिसमें मंगलवार और बुधवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित इसके सभी पहलुओं को शामिल किया जाएगा।

दिल्ली में वायु प्रदूषण 'बेहद खराब' श्रेणी में दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर रविवार को भी बहुत खराब श्रेणी में बना रहा। राजधानी का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 308 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के 'समीर' ऐप के अनुसार, शाम तक शहर के 29 निगरानी केंद्र में वायु गुणवत्ता ₹बहुत खराब₹ श्रेणी में दर्ज किया गया और इनमें बवाना का एक्यूआई (336) सर्वाधिक था। ऐप के अनुसार, दिल्ली में रविवार सुबह 10 बजे एक्यूआई 302 था और 26 स्टेशनों ने 'बहुत खराब' श्रेणी में वायु गुणवत्ता दर्ज की। सीपीसीबी के अनुसार, एक्यूआई 0-50 'अच्छा', 51-100 'संतोषजनक', 101-200 'मध्यम', 201-300 'खराब', 301-400 'बहुत खराब' और 401-500 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए निर्णय सहायता प्रणाली (डीएसएस) के अनुसार, परिवहन क्षेत्र का प्रदूषण में 16.5 प्रतिशत योगदान रहा। इसके बाद दिल्ली और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों का 8.1 प्रतिशत, आवासीय स्रोतों का चार प्रतिशत और निर्माण गतिविधियों का 2.3 प्रतिशत योगदान रहा। एनसीआर के पड़ोसी जिलों में झज्जर का योगदान 13.9 प्रतिशत, रोहतक का 5.2 प्रतिशत, सोनीपत छह प्रतिशत और जींद का 2.5 प्रतिशत योगदान रहा। इस सप्ताह दिल्ली की वायु गुणवत्ता में काफी उतार-चढ़ाव देखा गया।

10 सबसे प्रदूषित शहरों में गाजियाबाद टॉप पर

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में नवंबर सबसे प्रदूषित महीना रहा। इस दौरान भारत के टॉप 10 सबसे प्रदूषित शहरों में गाजियाबाद इस सूची में सबसे ऊपर रहा, जबकि राजधानी दिल्ली चौथे नंबर पर आई। एक रिपोर्ट के मुताबिक हरियाणा के बहादुरगढ़ को छोड़ दें तो टॉप 10 शहरों में से किसी में भी एक दिन भी हवा साफ नहीं रही। यह प्रदूषण पूरे एनसीआर में फैला है और एक शहर का प्रदूषण दूसरे शहरों की हवा को भी खराब कर रहा है। दिल्ली में नवंबर में पीएम 2.5 का औसत स्तर 215 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटररहा, जो अक्टूबर के मुकाबले दोगुना था। अक्टूबर में यह स्तर 107 था। दिल्ली में 23 दिन हवा बहुत खराब श्रेणी में रही और 6 दिन गंभीर श्रेणी में। इससे पता चलता है कि सर्दियों में स्मॉग यानी धुएं और कोहरे का मिश्रण कितना खतरनाक हो जाता है।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर पीएम मोदी ने की नागरिकों से योगदान की अपील

जवानों के साहस और बलिदान को किया नमन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को सशस्त्र बल झंडा दिवस के अवसर पर देश की तीनों सेनाओं के वीर जवानों के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों का अनुशासन, संकल्प और अदम्य साहस देश को सुरक्षित रखने के साथ ही नागरिकों के मनोबल को भी मजबूत करता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सैनिकों की राष्ट्र के प्रति निष्ठा, कर्तव्यबोध और समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने देशवासियों से सशस्त्र बल झंडा दिवस कोष में अधिक से अधिक योगदान देने की भी अपील की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि सशस्त्र बल झंडा दिवस पर हम उन वीर पुरुषों और महिलाओं के प्रति गहरी कृतज्ञता प्रकट करते हैं, जो अटूट साहस के साथ देश की रक्षा करते हैं। उनका अनुशासन, संकल्प और अदम्य भावना हमारे देश और नागरिकों की सुरक्षा का कवच है। उनका समर्पण कर्तव्य, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का सशक्त उदाहरण है। आइए, हम सभी सशस्त्र बल झंडा दिवस कोष में योगदान करें।

उपराष्ट्रपति ने नौसेना कर्मियों की 'निःस्वार्थ सेवा और बलिदान' की सराहना की

सशस्त्र सेना झंडा दिवस के मौके पर रक्षा मंत्रालय के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को सशस्त्र सेना झंडा दिवस का लैपल पिन लगाया। जिसका नेतृत्व पूर्व सैनिक कल्याण विभाग की सचिव सुकृति लिखी ने किया। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने अपनी पूरे एक महीने की सैलरी सशस्त्र सेना झंडा दिवस फंड में दान की। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने लोगों से अपील करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "सभी नागरिकों से भी अपील की कि वे स्वेच्छा से सशस्त्र सेना झंडा दिवस फंड में योगदान देकर हमारे शहीदों, विकलांग सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति अपना आभार व्यक्त करें।"

मैं सशस्त्र बलों की वीरता और बलिदान को सलाम करता हूंः राजनाथ सिंह

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय मंत्रियों ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दीं और भारतीय सशस्त्र बलों के वीर कर्मियों को उनके बेजोड़ साहस, वीरता और धैर्य के लिए सलाम किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर, मैं हमारे सशस्त्र बलों की वीरता और बलिदान को सलाम करता हूं।

हत्या का खुलासा: पुलिस ने दो आरोपियो को किया गिरफ्तार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के थाना दनकौर पुलिस ने दोस्त की हत्या के मामले में वांछित चल रहे दो युवकों को आज गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने मृतक की कार भी बरामद किया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि पार्टी के दौरान आरोपियों का मृतक से झगड़ा हो गया था। इसके बाद उसकी गला दबाकर हत्या कर दी तथा शव को गंग नहर में फेंक दिया था। एनडीआरएफ ने शनिवार की शाम को नहर से शव को बरामद किया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

थाना दनकौर के प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के अस्तौली गांव में रहने वाले मनीष 29 नवंबर को अपने घर से लापता हो गया था। वह अपने दो दोस्तों भारत पुत्र अरुण भाटी और बोबी भाटी पुत्र देवेंद्र भाटी के साथ घर से निकला था। उन्होंने बताया कि 30 नवंबर को उनके परिजनों ने उनकी गुमशुदा की रिपोर्ट थाना दनकौर में दर्ज करवाई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। इसी बीच पुलिस से उसके दोनों दोस्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ किया। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि दोनों दोस्तों ने पार्टी के दौरान हुए विवाद में उसकी गला दबाकर हत्या कर शव को नहर में फेंक दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस और एनडीआरएफ की टीम शव बरामद करने में जुटी हुई थी। कई दिनों के मशक्कत के बाद पुलिस ने शनिवार की शाम को मनीष के शव को घटनास्थल से 7 किलोमीटर दूर झाड़ियां के अंदर से बरामद किया। उसका शव झाड़ियों में फंस गया था। इसलिए पुलिस और एनडीआरएफ को ढूंढने में काफी कठिनाई हुई।

उन्होंने बताया कि शव बरामद करने के बाद पुलिस ने उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आज पुलिस ने दोनों आरोपियों भारत और बॉबी भाटी को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि उनके पास से मृतक की कार भी बरामद हुई है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने 29 नवंबर की आधी रात को ही मनीष की हत्या कर शव नहर में फेंक दिया था और घर से फरार हो गए थे। पुलिस के अनुसार शराब के नशे में तीनों दोस्तों में कहासुनी और गाली-गलौज हुई।

मनीष ने गांव के अपने एक दोस्त से फोन भी किया। इसके बाद दोनों दोस्तों ने मनीष की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को नहर में फेंक दिया और उसकी कार को ग्रेटर नोएडा के एक मॉल की पार्किंग में खड़ा कर दिया। उन्होंने बताया कि मनीष अपने पिता राम राज नारायण की इकलौती संतान था। इस घटना के बाद घर परिवार और गांव में मातम पसरा हुआ है। मनीष की फरवरी में हरियाणा के पलवल जिले के एक गांव से शादी होने वाली थी। घर में शादी की तैयारी चल रही थी। हत्या से एक दिन बाद उसके घर शादी की पीली चिट्ठी आने वाली थी। उन्होंने बताया कि मृतक मनीष और आरोपी भारत तथा बॉबी के साथ 11 साल पुरानी दोस्ती थी। उसका अक्सर दोस्तों के साथ उठना बैठना और पीना खाना था।

घर पर देर शाम लौटना उसकी दिनचर्या बन गया था। हत्यारोपी मनीष के जिगरी दोस्त थे। दोनों हत्यारे आपस में एक-दूसरे के मौसेरे भाई हैं। उन्होंने बताया कि मनीष के शव की तलाश करने के लिए एनडीआरएफ की दो टीम, दो दर्जन से अधिक गोताखोर, दो दर्जन पुलिसकर्मी और सैकड़ों गांव के लोग जुटे थे। उन्होंने बताया कि जनपद अलीगढ़, बुलंदशहर, मथुरा और गौतमबुद्ध नगर की सभी नहरों, माइनर और रजवाहों में शव की सघन तलाश की गई। थाना प्रभारी ने बताया कि मनीष की हत्या करने के बाद उसके दोस्तों ने अपने एक दोस्त के मोबाइल पर उसका फोटो भेजा था। जिस युवक के पास फोटो भेजा गया था, उसने भी पुलिस से यह बात छिपाई रखी। इस मामले में पुलिस ने दर्जनभर युवकों से पूछताछ की।

राज्यपाल जनरल बीके सिंह और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सांसद महेश शर्मा की मां को अर्पित की श्रद्धांजलि

नोएडा। मिजोरम के राज्यपाल जनरल बीके सिंह ने रविवार को नोएडा पहुंचकर पूर्व केंद्रीय मंत्री और गौतम बुद्ध नगर के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा की दिवंगत माताजी ललिता शर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। नोएडा के सेक्टर 15 ए स्थित डॉक्टर महेश के घर पर वह आधे घंटे से ज्यादा रुके तथा परिवार के सभी सदस्यों से बातचीत कर उन्होंने परिवार के लोगों को सांत्वना दिया। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह, राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर, भाजपा सांसद अरुण गोविल भी डॉक्टर महेश शर्मा के घर पहुंचे तथा उन्होंने उनकी दिवंगत मां को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इसके अलावा उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक भी डॉक्टर महेश शर्मा के आवास पर आज पहुंचे। उन्होंने उनकी दिवंगत मां ललिता की फोटो पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वह काफी देर तक डॉक्टर महेश शर्मा के घर पर रुके। सुबह से देर शाम तक उनके घर पर कई विधायक, सांसद, नेता, तथा विभिन्न पार्टियों के पदाधिकारी, किसान संगठनों के नेता पहुंचे तथा उन्होंने उनकी मां के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

हेल्पलाइन नंबर के बारे में लोगों को बताया

नोएडा। मिशन शक्ति अभियान-5.0 के अंतर्गत कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर के थाना क्षेत्रों में रविवार को महिला सशक्तिकरण एवं महिला सुरक्षा जागरूकता से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में महिला सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान मिशन शक्ति टीम ने महिलाकर्मियों को थानों पर गठित मिशन शक्ति केंद्र के उद्देश्य, कार्य प्रणाली एवं महिला सुरक्षा से संबंधित उपलब्ध सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी। साइबर ठगी के प्रकार और इससे बचने के उपायों की भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं और बच्चियों को विविध हेल्पलाइन नंबर के बारे में भी बताया गया। वर्तमान में पूरे प्रदेश में मिशन शक्ति अभियान इस मकसद से चलाया जा रहा है कि सभी महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो सकें।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने तमंचे के साथ बदमाश को किया गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर-20 थाने की पुलिस ने ब्रह्मपुत्र मार्केट के पास से रविवार को वारदात करने की फिराक में घूम रहे बदमाश को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर उसके पास से तमंचा, कारतूस और 2500 रुपये बरामद हुए। आरोपी की पहचान सेक्टर-27 निवासी राहुल कुमार के रूप में हुई। पूछताछ में राहुल ने बताया कि वह चोरी की वारदात के लिए रेकी करने निकला था। उसके अन्य साथियों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

दो लोगों के मोबाइल चोरी, पीड़ितों ने दर्ज कराया मुकदमा

नोएडा। दिल्ली निवासी मोहम्मद अजहर 11 अक्तूबर को नोएडा में चिकित्सक से परामर्श लेने आए थे। वह बॉटेनिकल गार्डन से मेट्रो पकड़कर सेक्टर-15 जा रहे थे। मेट्रो परिसर में तीन चार युवकों ने अजहर का मोबाइल चुरा लिया। वहीं, सेक्टर-53 निवासी गरिमा खटवानी 25 नवंबर को सेक्टर-70 स्थित सफायर स्कूल के पास आईं थीं। वहां पर किसी ने उनका मोबाइल चोरी कर लिया। पीड़िता ने फेज तीन थाने में चोरी का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस दोनों मामले में जल्द ही आरोपी को दबोचने का दावा कर रही है।

शराब तस्कर गिरफ्तार,टैट्रा पैक अवैध देसी शराब बरामद

नोएडा। फेज-1 थाने की पुलिस ने रात दस बजे के बाद चोरी छिपे शराब की तस्करी करने वाले तस्कर को रविवार को सेक्टर-8 के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान दिल्ली के कोंडली निवासी हिमांशु कुमार के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उसके पास से 104 टैट्रा पैक अवैध देसी शराब बरामद हुई। पूछताछ में पता चला है कि आरोपी ठेके बंद होने पर महंगे दाम पर शराब को बेचता था।

फोन पर महिला को मिली जान से मारने की धमकी

नोएडा। सेक्टर-12 निवासी महिला को फोन पर जान से मारने की धमकी मिली। महिला ने अज्ञात के खिलाफ सेक्टर-24 थाने में केस दर्ज कराया है। जिन मोबाइल नंबरों से महिला को कॉल आ रही है, उसकी सूची भी पुलिस को उपलब्ध कराई गई है। सेक्टर-12 के वाई ब्लॉक में रहने वाली देवेश्वरी रावत ने पुलिस को शिकायत दी कि बीते कुछ महीनों से उसके मोबाइल पर अलग-अलग नंबरों से कॉल आ रही हैं। कॉल करने वाला व्यक्ति उनको गाली देने के साथ ही जान से मारने की धमकी दे रहा है। वह जब कॉलर का नाम पूछती हैं, तो कॉल काट दी जाती है। पूरे घटनाक्रम को लेकर महिला और उसका परिवार चिंतित और भयभीत है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

युवक को जान से मारने की धमकी दी

ग्रेटर नोएडा। ईकोटेक तीन कोतवाली क्षेत्र निवासी युवक को मोबाइल पर जान से मारने की धमकी मिली है। पीड़ित युवक ने जानमाल को खतरे की आशंका जताते हुए पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई है। सैनी गांव निवासी गौरव के मोबाइल फोन पर अनजान नंबर से पिछले कई दिन से कॉल का रहीं हैं। अज्ञात कॉलर उनसे गाली-गलौज कर रहा है। आरोपी ने सात दिसंबर को दोबारा उसी नंबर से कॉल कर अभद्र शब्दों का इस्तेमाल किया। पीड़ित के विरोध करने पर आरोपी ने घर से बाहर निकलने पर जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि नंबर की जांच करने पर पता चला कि उसके गांव का ही समीर खां नामक युवक धमकी दे रहा है, जबकि उसका आरोपी से कोई विवाद तक नहीं है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह ने बताया आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जांच में मिले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दोपहिया वाहन चुराने वाला गिरफ्तार

नोएडा। छिजारसी में मेट्रो पिलर-41सी के पास से सेक्टर-63 थाने की पुलिस ने रेकी कर दोपहिया वाहन चोरी करने वाले बदमाश को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से चोरी की बाइक, तमंचा और कारतूस समेत अन्य सामान बरामद हुआ। बदमाश की पहचान हरदोई के मुंडेर गांव निवासी अभय उर्फ सोनू के रूप में हुई है। वर्तमान में वह नोएडा के चोटपुर कॉलोनी में किराये का कमरा लेकर रह रहा था। उसके खिलाफ चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट समेत अन्य धाराओं में 12 मुकदमे दर्ज हैं।

नोएडा स्टेडियम के आसपास आज वाहनों के लिए रास्ते बदले रहेंगे

नोएडा। सेक्टर-21ए स्थित नोएडा स्टेडियम के आसपास सोमवार को वाहनों के लिए रास्तों में बदलाव रहेगा। वाहनों की संख्या बढ़ने पर वाहनों को वैकल्पिक रास्तों से निकाला जाएगा। यह व्यवस्था दोपहर 12 से शाम पांच बजे तक रहेगी। स्टेडियम के फुटबॉल मैदान में सोमवार को सांसद डॉ. महेश शर्मा की माता का तेहरवीं कार्यक्रम है। इसमें कई वीवीआईपी के आने का अनुमान है। इसके अलावा काफी संख्या में लोग भी पहुंचेंगे।

इसको लेकर यातायात पुलिस ने योजना तैयार की है। डीसीपी यातायात डॉ. प्रवीन रंजन ने बताया कि मास्टर प्लान रोड नंबर-1 पर सेक्टर-3 रजनीगंधा चौराहे की ओर से सेक्टर-12-22-56 तिराहे की ओर जाने वाले वाहन सेक्टर-10-21से यू-टर्न लेकर जलवायु विहार चौराहा से निठारी होकर सेक्टर-31-25 चौराहा, एनटीपीसी, गिझौड़ चौराहा होते हुए गंतव्य की ओर जा सकेंगे। सेक्टर-12-22-56 तिराहे से स्टेडियम चौराहे की ओर जाने वाले वाहन सेक्टर-57 चौराहा, गिझौड़ चौराहा से सीधे सेक्टर-31-25 चौराहा होकर गंतव्य की ओर जा सकेंगे। डीसीपी ने बताया कि सेक्टर-12-22-56 तिराहे से रजनीगंधा चौराहे की ओर जाने वाले वाहन सेक्टर-11 मेट्रो अस्पताल, सेक्टर-8, 10, 11, झुंडपुरा, हरौला होकर जा सकेंगे। डीएम चौराहे से मोदी मॉल, रिलायंस चौराहे की ओर जाने वाले वाहन जलवायु विहार चौराहे से निठारी, सेक्टर-31-25, एनटीपीसी चौराहे से होकर जा सकेंगे। इसी तरह सेक्टर-54 चौकी तिराहे से सीधे जलवायु विहार चौराहे की ओर जाने वाले वाहनों को गिझौड़ चौराहा, सेक्टर-31-25 चौराहे से होकर निकाला जाएगा।

वाहनों के लिए पार्किंग की सुविधा

पुलिस ने वीवीआईपी और लोगों के लिए अलग-अलग जगह पार्किंग बनाई है। वीवीआईपी गेट नंबर-2 से प्रवेश करेंगे। उनके वाहन क्रिकेट मैदान परिसर में खड़े होंगे। आम लोगों वाहनों के साथ गेट नंबर-4 से आ सकेंगे। इसके अलावा गेट नंबर-6 से प्रवेश कर रामलीला मैदान में भी आम लोग वाहन खड़े कर सकते हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एडोब कंपनी के पास खाली मैदान को रिजर्व पार्किंग के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। पैदल लोग गेट नंबर-3 से कार्यक्रम में आ सकेंगे।

एसआईआर को लेकर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने की समीक्षा बैठक

नोएडा। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने रविवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर गौतम बुद्ध नगर के कार्यकर्ताओं के साथ नोएडा के सेक्टर 116 स्थित पार्टी कार्यालय में समीक्षा बैठक की।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में एसआईआर को लेकर भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता सभी बूथों और गलियों में जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गौतम बुद्ध नगर में महानगर और जिले के पदाधिकारियों की बैठक हुई। उन्होंने कहा कि सभी के कार्यों की समीक्षा की गई, तथा एसआईआर के कार्यों को शत- प्रतिशत पूरा करने के लिए सभी की जिम्मेदारी तय की गई है। उन्होंने कहा कि एसआईआर के जो फॉर्म भरने किसी कारणवश रह गए है उन्हे पूरा करने के लिए पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और पारदर्शी मतदाता सूची बने इसके लिए भाजपा के कार्यकर्ता रात दिन जुटे हुए हैं।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि और कल्याण अभियान

नोएडा। रविवार को सशस्त्र सेना झंडा दिवस को वीर सैनिकों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और देशभक्ति की भावना के साथ हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर जनपदवासियों से शहीदों, दिव्यांग सैनिकों और पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए सहयोग की अपील की गई। गौतमबुद्धनगर के जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कैप्टन (आईएन) रामप्रवेश सिंह (अप्रा.) के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम के तहत जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के कल्याण कार्यकर्ता हरवीर सिंह एवं उनकी टीम द्वारा मुख्य विकास अधिकारी डॉक्टर शिवाकांत द्विवेदी को झंडा व स्मृति चिन्ह भेंटकर धन संग्रहण अभियान का शुभारंभ किया गया।

इस अभियान के अंतर्गत जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के कल्याण कार्यकर्ता हरवीर सिंह एवं उनकी टीम द्वारा विकास भवन स्थित विभिन्न विभागों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को झंडा स्मृति चिन्ह लगाकर उनसे शहीद सैनिकों, दिव्यांग सैनिकों, उनके आश्रितों तथा पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए योगदान देने का आग्रह किया। संबंधित टीम द्वारा जनपद के नागरिकों को भी स्वेच्छा से

दान देकर सैनिक कल्याण को सुदृढ़ बनाने की अपील की गयी। इस मौके पर जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने बताया कि प्राप्त धनराशि सैनिकों एवं उनके आश्रितों के हित में संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर व्यय की जाती है।

उन्होंने जनपदवासियों को झंडा दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वीर सैनिकों के सम्मान और सहायता के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी यथा सामर्थ्य आर्थिक सहायता अवश्य प्रदान करनी चाहिए ताकि इन योजनाओं को और अधिक सशक्त, प्रभावी और व्यापक रूप से संचालित किया जा सके। इस दौरान जिला प्रशासन के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहें।

मामूली विवाद में स्कूटी में आग लगाई

नोएडा। सलारपुर गांव में मामूली विवाद में एक व्यक्ति ने अपने साले की स्कूटी पर तेल डालकर आग लगा दी। पीड़ित ने मामले की शिकायत सेक्टर-39 थाने की पुलिस से की है। फिरोजाबाद के योगेश कुमार ने पुलिस को बताया कि वर्तमान में वह सलारपुर गांव में किराये का कमरा लेकर रह रहे हैं। वह बीते कई सालों से नोएडा की एक फैक्टरी में काम करता है। उसका अपने जीजा सुनील से पारिवारिक विवाद चल रहा है। दोनों में कई बार कहासुनी हो चुकी है। बीते दिनों भी उसकी जीजा से फोन पर कहासुनी हो गई थी। इस बात से जीजा नाराज थे। दो नवंबर को जीजा सुनील अपने साले के कमरे पर आए और वहां खड़ी इलेक्ट्रानिक स्कूटी में तेल डालकर आग लगा दी। वारदात के बाद सुनील मौके से फरार हो गया। जबतक शिकायतकर्ता कुछ समझ पाता स्कूटी पूरी तरह से जल चुकी थी। इस मामले में पुलिस ने पीड़ित के जीजा सुनील के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नोएडा और ग्रेनो का वायु प्रदूषण कम हुआ पर हवा बेहद खराब

नोएडा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा के एक्यूआई में रविवार को कमी दर्ज की गई। इसके बावजूद नोएडा का एक्यूआई बेहद खराब श्रेणी में ही रहा। नोएडा देश का दूसरा सबसे वायु प्रदूषित शहर रहा।

नोएडा का एक्यूआई 317 दर्ज किया गया। एक दिन पहले के मुकाबले एक्यूआई 27 अंक कम हुआ। ग्रेटर नोएडा का 290 रहा। यहां के एक्यूआई में 29 अंक की कमी दर्ज की गई। जिले में सबसे वायु प्रदूषित स्थान सेक्टर-125 रहा। यहां का एक्यूआई 339 दर्ज किया गया। नोएडा और ग्रेटर नोएडा के सभी पांच स्थानों पर पीएम 2.5 का स्तर पीएम 10 के स्तर से अधिक दर्ज किया गया। सेक्टर-1 की वायु प्रदूषण मापक

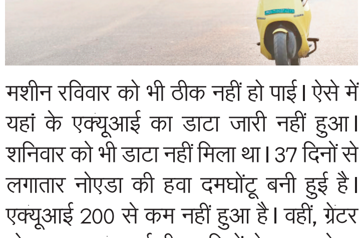

मशीन रविवार को भी ठीक नहीं हो पाई। ऐसे में यहां के एक्यूआई का डाटा जारी नहीं हुआ। शनिवार को भी डाटा नहीं मिला था। 37 दिनों से लगातार नोएडा की हवा दमघोंटू बनी हुई है। एक्यूआई 200 से कम नहीं हुआ है। वहीं, ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई भी 32 दिनों से खराब, बेहद खराब और गंभीर श्रेणी में रही है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के स्कूलों में एआई ग्राइंड इनिशिएटिव का किया शुभारंभ

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को देश का पहला शहर आधारित दिल्ली एआई ग्राइंड लॉन्च किया। इसका उद्देश्य शहर के युवाओं को असल दुनिया की समस्याओं के लिए एआई-आधारित समाधान विकसित करने के लिए सशक्त बनाना है। सीएम रेखा गुप्ता ने भारतीय वायुसेना के कैप्टन शुभांशु शुक्ला के साथ कहा कि दिल्ली एआई ग्राइंड भारत का पहला शहर-आधारित एआई नवाचार इंजन है। उन्होंने कहा कि अपनी तरह का यह सबसे बड़ा कार्यक्रम छह महीने तक चलेगा। इसका उद्देश्यज दिल्ली के स्कूलों, समुदायों और उद्योगों को एक साथ लाकर वास्तनविक चुनौतियों का समाधान विकसित करना है। यह कदम दिल्ली को एआई-आधारित नवाचार हब के रूप में आगे बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब टेक्नोलॉजी आम नागरिक की पहुंच में है और युवाओं के लिए अनंत संभावनाओं के द्वार खुल गए हैं। उन्होंने कहा कि इससे दिल्ली के युवाओं को असल दुनिया की समस्याओं के लिए एआई-आधारित समाधान विकसित करने में मदद मिलेगी। कक्षाएं नवाचार प्रयोगशाला में बदल जाएंगी। छात्र बदलाव लाने वाले बनेंगे और दिल्ली ज्ञान और एआई नवाचार की राजधानी बनने की दिशा में आगे बढ़ेगी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्सब' पर पोस्टई कर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज एआई, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में वैश्विक मंच पर एक नई पहचान बना रहा है। इसी विजन से प्रेरित होकर, दिल्ली सरकार ने भारत का पहला शहर-केंद्रित एआई इंजन–दिल्ली एआई ग्राइंड–लॉन्च किया है। सीएम रेखा गुप्ता ने छात्रों से अपील करते हुए कहा कि आपकी कल्पना दिल्ली के कल को आकार देगी। लगातार प्रयोग करते रहें, निडर होकर सोचें, गलतियों से सीखें, और नए समाधान बनाएं। उन्होंने एक्स पर लिखा, "सेंट्रल पार्क में आयोजित इस उद्घाटन समारोह में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की उपस्थिति हम सभी के लिए खास और प्रेरणादायक थी। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) तक पहुंचने वाले पहले भारतीय के तौर पर, वह हमारे युवाओं के लिए एक रोल मॉडल हैं। मुख्यमंत्री ने शिक्षा मंत्री आशीष सूद की एआई इंजन-दिल्ली एआई ग्राइंड कार्यक्रम की कल्पना करने के लिए प्रशंसा की, क्योंकि केंद्र सरकार राष्ट्रीय राजधानी को एआई और टेक्नोलॉजी हब बनाने की राह पर ले जाना चाहती है।

सीएम ने चौकीदारों को दिए इलेक्ट्रिक हीटर

बोलीं - प्रदूषण कम करने के लिए युद्ध-स्तर पर कार्य जारी

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को राजधानी की विभिन्न आरडब्ल्यू को रात्रि चौकीदारों के लिए इलेक्ट्रिक हीटर वितरित किए। इस पहल का उद्देश्य सर्दियों में खुले में आग जलाने से होने वाले धुएं व प्रदूषण को कम करना है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि दिल्ली सरकार भविष्य में भी इस प्रकार के कदम लगातार उठाती रहेगी, ताकि राजधानी को स्वच्छ, सुरक्षित और प्रदूषण-मुक्त बनाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि इलेक्ट्रिक हीटर एक सुरक्षित, स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प हैं, जो प्रदूषण से लड़ाई में एक प्रभावी सहायक है। मुख्यमंत्री के अनुसार प्रदूषण कम करने के लिए सरकार मिशन मोड में काम कर रही है।

इलेक्ट्रिक हीटरो का यह वितरण दिल्ली हाट पीतमपुरा में डीएसआईआईडीसी के सीएसआर फंड से किया गया। मुख्यमंत्री ने इसके लिए कार्यक्रम में उपस्थित पर्यावरण व उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और डीएसआईआईडीसी का धन्यवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी में सर्दियों के दौरान खुले में आग जलाना प्रदूषण का एक बड़ा स्त्रोत है, जो हवा में धुएं की मोटी परत बना देता है। चौकीदारों को दिए जा रहे बिजली के हीटर धुएं को नियंत्रित करने में प्रभावी भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रदूषण कम करने के लिए युद्ध-स्तर पर कार्य कर रही है। सरकार द्वारा सड़कों पर मैकेनिकल स्वीपिंग और वाटर स्प्रिंकलिंग की व्यवस्था को बढ़ाया गया है। बिजली के खंभों पर मिस्ट स्प्रे तकनीक लगाई जा रही है। पूरे शहर में डस्ट मिटिगेशन प्लान को प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। साथ ही औद्योगिक इकाइयों में उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि दिल्ली की लगभग 1400 किलोमीटर सड़कों की वॉल-टू-वॉल कारपेटिंग कर धूल उड़ने की संभावनाओं को कम किया जा रहा है। खुले में कूड़ा या लकड़ी जलाने पर सख्त रोक लागू है। इसके साथ ही जरूरतमंद परिवारों को गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि ईंधन के रूप में लकड़ी के उपयोग को घटाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के इन प्रयासों के कारण ही प्रदूषण स्तर में सुधार देखने को मिला है, परंतु इसे स्थायी रूप से कम करने के लिए नागरिकों की सहभागिता अनिवार्य है। उन्होंने आरडब्ल्यूए, निवासियों और स्थानीय समुदायों से अपील की कि यदि कहीं भी लकड़ी, कोयला या कचरा जलता हुआ दिखाई दे, तो तुरंत उसे रोकने की पहल करें। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण की इस लड़ाई में प्रत्येक नागरिक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह सरकार और समाज, दोनों की साझा जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम में पर्यावरण व उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली प्रदूषण के विरुद्ध एक मजबूत युद्ध लड़ रही है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष दिल्ली में वाहनों की संख्या लगभग 10 प्रतिशत बढ़ी है और निर्माण गतिविधियों में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, इसके बावजूद शहर ने पिछले वर्षों की तुलना में एयर क्वालिटी इंडेक्स में लगातार, महत्वपूर्ण और उत्साहवर्धक सुधार दर्ज किया है। करीब 40 प्रतिशत लिगेसी कचरे के पहाड़ साफ कर दिए गए हैं और बड़ी मात्रा में पुनः प्राप्त भूमि पर वृक्षारोपण किया गया है, जो प्रदूषण नियंत्रण के प्रति हमारी व्यापक रणनीति को दर्शाता है। जनभागीदारी के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ और हरित बनाने के लिए व्यवहारिक बदलाव अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरण मंत्री सिरसा ने नागरिकों, ठेकेदारों और सामुदायिक समूहों से अपील की कि वे पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार को अपनाएं और दिल्ली को प्रदूषण-मुक्त बनाने के इस सामूहिक मिशन में सक्रिय रूप से योगदान दें।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस समारोह में सम्मिलित हुई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मानेकशॉ सेंटर दिल्ली कैंट में आयोजित सशस्त्र सेना झंडा दिवस समारोह में सम्मिलित हुई। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा में समर्पित हमारे वीर सैनिकों, वीर बलिदानियों के परिवारों और पूर्व सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। यह दिवस हमें उन अनगिनत त्यागों की याद दिलाता है जिनके कारण हम सुरक्षित और स्वतंत्र जीवन जी रहे हैं। मुख्यमंत्री ने समारोह में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह तथा नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी के साथ उपस्थित रहकर शौर्य एवं विशिष्ट सेवा पदक से अलंकृत वीर सशस्त्र बल कर्मियों को सम्मानित किया। इसके साथ ही सशस्त्र बलों के कल्याण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 10 विशिष्ट नागरिकों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने कार्य से सैन्य परिवारों के प्रति संवेदनशीलता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की मिसाल प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, सैन्य आधुनिकीकरण और रणनीतिक क्षमता के नए आयाम स्थापित किए हैं। ऑपरेशन सिंदूर ने यह सिद्ध किया कि भारत अपनी सीमाओं, नागरिकों तथा बहन-बेटियों के सम्मान की रक्षा में दृढ़, सक्षम और निर्णायक राष्ट्र है। उन्होंने कहा कि शौर्य, अनुशासन और राष्ट्रनिष्ठा-यही हमारी सेना की पहचान है।

सीएम रेखा गुप्ता ने गोवा की आगजनी पर जताया दुख

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को गोवा नाइटक्लब में लगी आग को बेहद दुखद बताया और इस घटना में हुई मौत पर शोक व्यक्त किया। उत्तरी गोवा के अरपोरा में एक लोकप्रिय नाइटक्लब में रविवार सुबह आग लग गई, जिसमें कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई, जिनमें पर्यटक और स्टाफ सदस्य शामिल थे, और छह अन्य घायल हो गए। गुप्ता ने कहा कि गोवा के अरपोरा इलाके में हुई दुर्घटना की खबर बेहद दुखद है। कहा कि उनकी गहरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। कहा कि भगवान दिवंगत आत्माओं को शांति दे और इस मुश्किल समय में उनके प्रियजनों को शक्ति दे। आप संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी शोक व्यक्त किया। केजरीवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि गोवा के अरपोरा में हुई दुखद आग की घटना से बहुत दुखी हूं, जिसमें कई कीमती जानें चली गईं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। इस विनाशकारी समय में प्रभावित सभी लोगों को शक्ति और सांत्वना मिले। आम आदमी पार्टी की गोवा प्रभारी व पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि गोवा सरकार को इस घटना के लिए कमियों की तेजी से जांच करनी चाहिए, जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने इस घटना पर दुख जताया।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली पुलिस ने विदेशी मुद्रा धोखाधड़ी गिरोह के सरगना को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने विदेशी मुद्रा धोखाधड़ी से जुड़े संगठित गिरोह के कथित सरगना को गिरफ्तार किया है। गिरोह ने कई राज्यों में व्यापारियों, पेशेवरों और ट्रैवल कंपनियों से ठगी की है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी कृष्ण कुमार शर्मा (31) कोलकाता में दर्ज धोखाधड़ी के एक मामले में वांछित था। वहां उसने कथित तौर पर एक व्यक्ति को विदेशी मुद्रा विनिमय के बहाने ठगा था और 15,000 अमेरिकी डॉलर और 1,000 यूरो लेकर फरार हो गया था, जिनकी कीमत लगभग 14.5 लाख रुपये थी। पुलिस उपायुक्त (अपराध) हर्ष इंदौरा ने एक बयान में कहा, ''शर्मा एक संगठित धोखाधड़ी गिरोह चलाता था जो पीड़ितों को आकर्षक विदेशी मुद्रा विनिमय का झांसा देकर और कभी-कभी फिल्म उद्योग के पेशेवर होने का दिखावा करके फंसाता था। उसने कथित तौर पर खुद को एक फिल्म निर्माता के रूप में पेश किया और व्यापारियों का विश्वास जीतने के लिए पांच सितारा होटलों में बैठकें आयोजित कीं।

पैसों को लेकर झगड़े में युवक की हत्या, 5 नाबालिग पकड़े गए

नई दिल्ली। दिल्ली के सब्जी मंडी रेलवे थाना क्षेत्र में हुए ब्लाइंड मर्डर केस शुरू में एक रहस्य बन गया था, लेकिन अशोक विहार पुलिस की टीम ने सिर्फ 12 घंटे में इसे सॉल्व कर दिखाया। पुलिस ने पांच आरोपियों को पकड़ा है और आगे की कार्रवाई जारी है। मामला तब सामने आया जब 6 दिसंबर को 3:16 बजे पुलिस को एक पीसीआर कॉल आया कि डब्ल्यूपीआईए की झुग्गियों के पास रेलवे ट्रैक पर एक लाश पड़ी है। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और देखा कि 25 से 30 साल का एक युवक खून से सना पड़ा है। उसके चेहरे, गले और गर्दन पर कई धारदार हथियारों से वार किए गए थे। चोटें इतनी गहरी थीं कि चेहरा पहचानने लायक भी नहीं बचा था। यह मामला रेलवे एरिया का था, इसलिए फौरन इसे पुलिस स्टेशन सब्जी मंडी रेलवे को ट्रांसफर किया गया। मामला बेहद संवेदनशील था, इसलिए एसीपी अशोक विहार आकाश रावत की निगरानी में एक स्पेशल टीम बनाई गई। जांच की जिम्मेदारी इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार को दी गई, जिनके साथ एसआई नवीन, हेड कांस्टेबल करण पाल, कांस्टेबल भूपेश, कांस्टेबल संदीप और कांस्टेबल दिनेश की टीम लगातार काम पर लगी रही।

मोबाइल टावर से आरआरयू चोरी के मामले में युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मोबाइल टावरों से रिमोट रेडियो यूनिट (आरआरयू) चोरी करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान लोनी (गाजियाबाद) निवासी अमन उर्फ मंडे (20) के रूप में हुई। क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिल रही थी कि मोबाइल नेटवर्क के सिग्नल ट्रांसमिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले आरआरयू की चोरी हो रहे हैं। बदमाश वारदात को अंजाम देने के लिए दिल्ली-एनसीआर में घूम रहे हैं। इसके बाद पुलिस की टीम ने लोनी से अमन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार अमन 10वीं तक पढ़ा है और पहले फूड डिलीवरी बॉय का काम करता था। पूछताछ में उसने अपने साथी आमिर के साथ मिलकर आरआरयू चोरी की बात कबूल की। उसने बताया कि अधिक पैसे की लालच में चोरी का काम शुरू कर दिया था। इसमें इनको कम समय में अधिक पैसा मिल जाता था।

दिल्ली: मनोज तिवारी ने सांसद खेल महोत्सव का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद मनोज तिवारी ने उत्तर पूर्वी दिल्ली के खजूरी चौक यमुना खादर में सांसद खेल महोत्सव का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने दिल्ली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एन श्रवण कुमार के साथ मिलकर प्रतीकात्मक रूप से क्रिकेट का टॉस किया, जिससे झरोदा और संत नगर की टीमों के बीच क्रिकेट टूर्नामेंट को आरंभ करवाया। उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि टूर्नामेंट में 42 टीमें खेल रही हैं। इसमें 41 वार्डों से आईं 41 टीमें शामिल हैं और 42वीं टीम लोकसभा की मीडिया टीम है। इन सभी टीमों में कुल 620 खिलाड़ी हैं। उन्होंने बताया कि 19 दिसंबर को टूर्नामेंट का समापन होगा, जिस दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मौजूद रहेंगी। मनोज तिवारी ने बताया कि लगभग दो हफ्ते चलने वाले इस टूर्नामेंट में दिल्ली के बड़े-बड़े अधिकारी और कई नेता खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए आएंगे। उन्होंने बताया कि 41 मंडल अध्यक्षों को इस टूर्नामेंट से जुड़े संगठन के लिए मेंटॉर बनाया है। इस दौरान, मनोज तिवारी ने सभी खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। इसके बाद, मीडिया से बातचीत में भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा, "मैं बहुत खुश हूं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2022 में सांसद खेल महोत्सव की घोषणा की। हमारा सौभाग्य है कि 2016 से यमुना चैलेंज ट्रॉफी शुरू की गई थी, हालांकि तब सांसद खेल महोत्सव नाम नहीं था। हमने जब सांसद के रूप में प्रधानमंत्री को इसकी रिपोर्ट दी तो वह बहुत खुश हुए और पूरे देश के सांसदों को ऐसा करने के लिए कहा।" मनोज तिवारी ने कहा, "हमारे पास डीडीए के काबिल अफसर हैं। पुलिस व्यवस्था की गई है। टूर्नामेंट में एक लाख रुपये विजेता का इनाम है, लेकिन मीडिया को इंटरव्यू देते-देते पुरस्कार राशि बढ़ाकर सवा दो लाख रुपए और रनर-अप के लिए सवा लाख रुपए हो गई है। मुझे विश्वास है कि जिस खेल के लिए युवा तरसते हैं, वह हमारे प्रयास से खेल-खेल में हो जाता है।"

मंत्री आशीष सूद ने रैन बसेरों का किया निरीक्षण, बोले-नाइट शेल्टर्स सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने रविवार को सर्दियों में लोगों के लिए बनाए गए नाइट शेल्टर यानी रैन बसेरों का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां लोगों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि जिनके सिर पर छत नहीं है, उन्हें अच्छी छत देने के लिए दिल्ली की सरकार प्रतिबद्ध है। आशीष सूद ने कहा कि पिछली सरकारों की 27 वर्षों की नाकामियों की वजह से लोगों को सर्दी के मौसम में सड़क किनारे समय बिताने को मजबूर किया। हम उन्हें समझा रहे हैं कि नाइट शेल्टर सुरक्षित हैं लेकिन लोगों के पुराने अनुभव नाइट शेल्टर्स के अच्छे नहीं है। हमारी रेस्क्यू टीम उन्हें समझाती है कि अब ये नाइट शेल्टर्स सुरक्षित हैं। अब इनमें प्रोपर खाना मिलता है, लेकिन क्योंकि उनका अनुभव अच्छा नहीं है ऐसी असुविधाएं देखने को मिलती हैं। उन्होंने बताया कि 6 दिसंबर को मुनिरका और एम्स इलाके के नाइट शेल्टर और पगोड़ा कैंप्स का निरीक्षण किया गया। विंटर एक्शन प्लान के तहत पगोड़ा कैंप्स में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। रास्ते में कुछ लोग भी मिले, जिन्हें नाइट शेल्टर और पगोड़ा कैंप्स में कंबल, भोजन और अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई और उनसे आग्रह किया कि वह इन नाइट शेल्टर में जाकर रहें। जैसे-जैसे ठंड बढ़ रही है, हमारा प्रयास है कि हर जरूरतमंद व्यक्ति को सुरक्षित और सुविधाजनक ठिकाना मिले।

मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि इस कड़कड़ाती सर्दी में कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति खुले में रात बिताने को मजबूर न हो। दिल्ली सरकार नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। दिल्ली सरकार की ओर से नए शेल्टर होम भी तैयार किए जा रहे हैं और यहां पर कर्मचारियों की तैनाती की जा रही है। वहीं पुराने शेल्टर होम का निरीक्षण किया जा रहा है। कमियां पाई जाने पर सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए जा रहे हैं।

गोवा क्लब हादसा : दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी के पार्टी क्षेत्र में चौकसी बढ़ाई

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में क्रिसमस और नए साल पर भीड़ बढ़ने की संभावना के मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने रविवार को घोषणा की कि प्रमुख पार्टी क्षेत्रों में गश्त बढ़ाई जाएगी और क्लब, बार, रेस्तरां और कार्यक्रम स्थलों में अग्नि सुरक्षा अनुपालन की समीक्षा करने का निर्देश दिया गया है। पुलिस ने ये निर्देश गोवा के एक नाइट क्लब में शनिवार को लगी भीषण आग के बाद जारी किए हैं, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में प्रतिष्ठानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि अग्निशामक यंत्र काम कर रहे हों, निकास द्वार बिना किसी रुकावट के हों और बिजली खपत भार की निगरानी की जा रही हो। उसने जोर देकर कहा कि भारी भीड़ वाली रातों में आपातकालीन प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन अनिवार्य है। राजधानी में रास्ता और यति क्लब के संस्थापक जॉय सिंह ने कहा कि उनके क्लब, पदाधिकारियों द्वारा जारी सभी नियमों का पूरी तरह से पालन करते हैं। सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''हमारे सभी क्लब पूरी तरह से नियमों का पालन करते हैं और हम अधिकारियों द्वारा जारी किए गए हर नियम का पालन करते हैं। जहां तक गोवा की घटना का संदर्भ है, तो दिल्ली में अधिकांश क्लब पहले से ही सभी नियमों का पालन करते हैं। यह एक हृदय विदारक घटना है। प्रत्येक मानव जीवन महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने नाइटलाइफ क्षेत्र में प्रवेश करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए नियमों का सख्ती से पालन करने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

सड़क विवाद ने ली बस चालक की जान, एक आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के अमन विहार थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात सड़क विवाद की एक मामूली कहासुनी हिंसक झड़प में बदल गई, जिसमें डीटीसी बस के चालक की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार, शनिवार रात 11:20 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को सिटी वाटिका, शिव चौक के पास बारात के पास झगड़े की सूचना मिली। सूचना पाकर अमन विहार थाने की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। शुरुआती जांच में यह सामने आया कि भीड़भाड़ वाले रास्ते से गुजरने को लेकर डीटीसी बस संख्या डीएल51ईवी2822 के चालक और एक अल्टो कार चालक के बीच विवाद हो गया। अल्टो कार चालक शादी समारोह में शामिल होने आया था। विवाद बढ़ने पर अल्टो चालक ने अपने रिश्तेदारों को बुला लिया। आरोप है कि इन लोगों ने मिलकर डीटीसी बस चालक की पिटाई कर दी। इस दौरान बीच-बचाव के लिए आगे आए स्थानीय युवक सूरज को भी चोटें आईं। घायलों को मौके से तुरंत एसजीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां से डीटीसी बस चालक को गंभीर हालत में सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायल चालक की पहचान विकास (27) के रूप में हुई है। घटना के वक्त बस कंडक्टर उमेश (36) भी मौके पर मौजूद थे। उमेश के बयान के आधार पर अमन विहार थाने में एफआईआर संख्या 565/25 प्रासंगिक धाराओं के तहत दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि मारपीट में शामिल चारों आरोपियों की पहचान की जा चुकी है। इनमें से एक आरोपी राहुल को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि तीन अन्य फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए कई ठिकानों पर छापेमारी जारी है। इस मामले में स्थिति उस वक्त और गंभीर हो गई जब सफदरजंग अस्पताल से सूचना मिली कि घायल बस चालक विकास ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है और पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार, घटनास्थल पर मौजूद सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर फरार आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संपादकीय

भारतीय कामगारों का करार

भारतीय कामगारों के लिए एक सुखद खबर है। रूस 10 लाख भारतीय कामगारों, कुशल और अर्द्धकुशल, को रोजगार देगा। भारत भी रूसी कामगारों को रोजगार के अवसर मुहैया कराएगा, लेकिन यह रूस की विकराल समस्या है। दोनों देशों के बीच 'श्रम गतिशीलता समझौता' तय हुआ है, उसी के तहत रूस भारतीयों को नौकरियां देगा। विदेश और श्रम मंत्रालयों ने इस करार की पुष्टि की है। मंत्री और मंत्रालय के स्तर पर शिखर संवाद हो चुका था। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच संवाद होने के बाद करार को हरी झंडी दे दी गई। अब यह यथाशीघ्र लागू हो जाएगा। रूस भारत के राजमिस्त्री, वेल्डर, आईटी इंजीनियर, नर्स के अलावा, निर्माण, तेल-गैस, कृषि, वस्त्र, बैंकिंग और स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में भी भारतीयों की सेवाएं लेगा। भारतीयों के रोजगार, नौकरियां सुरक्षित और कानूनन होंगी। कामगार एक देश से दूसरे देश में सहजता, सुगमता से आवाजाही कर सकेंगे। यही इस समझौते का मकसद और मर्म है। रूस अविलंब इस करार को लागू इसलिए करना चाहता है, क्योंकि यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी देशों की पाबंदियों के कारण रूस में श्रम-संकट विकराल है। रोजमर्रा के काम भी ठप पड़े हैं। दूसरी ओर भारत में 65 फीसदी आबादी ऐसी है, जिसकी औसत उम्र 35 साल या उससे कम है। भारत में बेरोजगारी एक विकट और संवेदनशील समस्या है। रूस में ये नियुक्तियां और अनुबंध सरकार के स्तर पर किए जाएंगे। दरअसल इन नियुक्तियों को इमिग्रेशन, अर्थात अप्रवास, समझने की गलती न की जाए। नियुक्तियां जरूरत के मुताबिक अस्थायी अथवा दीर्घकालिक हो सकती हैं। रूस में भारतीय कामगार को सामाजिक सुरक्षा के अलावा बीमा, स्वास्थ्य सुविधाएं और कानूनी सुरक्षा एवं संरक्षण आदि भी दिए जाएंगे। रूस भारत की आईटीआई, इंजीनियरिंग की डिग्री और डिप्लोमा के अलावा पेशेवर कुशलता को भी मान्यता देगा, ताकि कामगारों को उचित रोजगार और मेहनताना आदि मिल सके। इस करार से भारत को कई फायदे होंगे। रोजगार तो उपलब्ध होगा ही। फिलहाल रूस में 1 लाख से अधिक भारतीय बसे हैं और वे विभिन्न व्यवसायों में काम कर रहे हैं। रूस के साइबेरिया वाले क्षेत्र में चीन के 3 लाख से अधिक कामगार और कारोबारी सक्रिय हैं। उन्होंने रूसी युवतियों से शादियां भी की हैं। रूस नहीं चाहता कि उसके एक सूबे में कोई विदेशी आबादी बढ़ती रहे और वह कुंडली मार कर जम जाए। रूस अपनी नस्ल भी खराब नहीं होने देना चाहता। हालांकि चीन रूस के 'परम मित्रों' में है, लेकिन नस्ल के आधार पर रूसी और चीनी में काफी फर्क हैं। यह भी एक कारण है कि रूस ने भारतीय कामगारों को रोजगार देने का निर्णय लिया है। ये कामगार रूस के कई इलाकों में फैले होंगे।

मध्य प्रदेश में औद्योगिक उछाल और नई आर्थिक दृष्टि

डॉ. मोहन यादव ने सत्ता संभालते ही प्रदेश में निवेश और औद्योगिक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। यह स्पष्ट है कि वे आर्थिक स्फूर्ति को राज्य की नई पहचान बनाना चाहते हैं। सरकार के शुरुआती दिनों में ही जिस तेजी से कदम उठाए गए, उसने निवेशकों और उद्योग जगत में नया विश्वास पैदा किया। सत्ता संभालने के मात्र छह महीनों के भीतर केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना के लिए त्रिपक्षीय समझौता सम्पन्न करना यह साबित करता है कि सरकार इरादे में भी स्पष्ट थी और कार्यशैली में भी। यह परियोजना आने वाले वर्षों में बुंदेलखंड जैसे अति पिछड़े और सूखा प्रभावित क्षेत्र की आर्थिक तस्वीर बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विकास के नए मॉडल का सबसे बड़ा संकेत वह ऐतिहासिक फैसला है, जिसके तहत सेहोर जिले की आष्टा तहसील में लगभग 60,000 करोड़ रुपये की एथेन क्रैकर परियोजना को मंजूरी दी गई। यह मध्य प्रदेश के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक है। वहीं, पूरे देश के पेट्रोकेमिकल सेक्टर में भी महत्वपूर्ण ठहरती है। इस परियोजना से रोजगार के हजारों अवसर निर्मित होंगे।

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

13 दिसंबर 2023 को जब डॉ. मोहन यादव ने मध्य प्रदेश के 19वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, तब प्रदेश एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा था। जनता अरसे से ऐसी नेतृत्व शक्ति की प्रतीक्षा में थी जो विकास को स्थायी नीति और जमीन पर दिखने वाले परिवर्तन के रूप में स्थापित करे। भाजपा ने उस समय जो निर्णय लिया, वह आज दो वर्षों बाद अधिक सार्थक प्रतीत होता है। मुख्यमंत्री के तौर पर डॉ. यादव ने यह प्रमाणित किया है कि मजबूत इच्छाशक्ति, निर्णायक प्रशासन और विकास के प्रति सच्ची प्रतिबद्धता हो तब परिवर्तन अनिवार्य रूप से संभव हो जाता है। लोककल्याणकारी राज्य की जो परिकल्पना भारतीय राजनीति का मार्गदर्शक रही है, उसे वास्तविक अर्थों में मूर्त रूप देने की दिशा में इन दो वर्षों में मध्य प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है।

डॉ. मोहन यादव ने सत्ता संभालते ही प्रदेश में निवेश और औद्योगिक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। यह स्पष्ट है कि वे आर्थिक स्फूर्ति को राज्य की नई पहचान बनाना चाहते हैं। सरकार के शुरुआती दिनों में ही जिस तेजी से कदम उठाए गए, उसने निवेशकों और उद्योग जगत में नया विश्वास पैदा किया। सत्ता संभालने के मात्र छह महीनों के भीतर केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना के लिए त्रिपक्षीय समझौता सम्पन्न करना यह साबित करता है कि सरकार इरादे में भी स्पष्ट थी और कार्यशैली में भी। यह परियोजना आने वाले वर्षों में बुंदेलखंड जैसे अति पिछड़े और सूखा प्रभावित क्षेत्र की आर्थिक तस्वीर बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

विकास के नए मॉडल का सबसे बड़ा संकेत वह ऐतिहासिक फैसला है, जिसके तहत सेहोर जिले की आष्टा तहसील में लगभग 60,000 करोड़ रुपये की एथेन क्रैकर परियोजना को मंजूरी दी गई। यह मध्य प्रदेश के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक है। वहीं, पूरे देश के पेट्रोकेमिकल सेक्टर में भी महत्वपूर्ण ठहरती है। इस परियोजना से रोजगार के हजारों अवसर निर्मित होंगे, साथ ही प्रदेश को औद्योगिक मानचित्र पर एक नए केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी यह बड़ा कदम है। यह परियोजना संकेत देती है कि सरकार छोटे निवेशों के साथ ही उच्च-स्तरीय औद्योगीकरण को लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ रही है।

इन दो वर्षों में सरकार ने नीति निर्माण को भी एक सतत प्रक्रिया की तरह व्यवस्थित किया। वर्ष 2025 में औद्योगिक संवर्धन नीति का नया संस्करण लागू किया गया, जिसने निवेशकों को अनेक सुविधाएं दीं, उन्हें यह भरोसा दिलाया कि मप्र अब प्रतिस्पर्धी राज्यों की कतार में मजबूती से खड़ा है। टेक्सटाइल, फार्मा, बायोटेक, ईवी, रक्षा उद्योग जैसे आधुनिक क्षेत्रों को प्रोत्साहन देने वाली नीतियाँ इसी सोच का परिणाम है। साथ ही मोहन सरकार ने नीतियों के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सुधार किया, अनुमति प्रणाली को सरल बनाया और निवेशकों के लिए सिंगल विंडो प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू किया है।

इस दौरान राज्य में औद्योगिक भूमि आवंटन को भी पहले से कहीं अधिक सुव्यवस्थित और तेज बनाया गया। औद्योगिक पार्कों का विस्तार, स्किल पार्कों की स्थापना, क्लस्टर विकास और परिवहन-सुविधाओं का आधुनिकीकरण इन सभी पर समान रूप से ध्यान दिया जा रहा है। डॉ. मोहन यादव कई अवसरों पर कहते भी दिखे हैं कि औद्योगिक विकास केवल पूंजी निवेश से नहीं होता; उसके लिए अनुकूल वातावरण, त्वरित प्रशासनिक समर्थन और मानव संसाधन की उपलब्धता भी उतनी ही आवश्यक होती है।

यही कारण भी है जो आज मप्र एमएसएमई क्षेत्र में भी इन दो वर्षों में नीति-सुधार और सरकारी समर्थन से नई गति पकड़ता दिखाई देता है। कहना होगा कि लघु और मध्यम उद्योग रोजगार सृजन का प्रमुख आधार हैं, यह ग्रामीण-शहरी आर्थिक संतुलन के भी महत्वपूर्ण वाहक हैं। सरकार ने इन उद्योगों को ब्याज छूट, कर-रियायत, सब्सिडी और सरल प्रक्रियाओं का लाभ देकर यह सुनिश्चित किया कि वे वैश्विक और राष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बन सकें। टेक्सटाइल और गारमेंट सेक्टर में निवेश को प्रोत्साहन मिलने से बड़ी संख्या में युवाओं, विशेषकर महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर विकसित हुए हैं। फिर औद्योगिक विकास तभी स्थायी हो सकता है जब उसकी रीढ़ मजबूत आधारभूत संरचना हो।

अब इस दृष्टि से देखें तो प्रदेश सरकार ने सड़क, बिजली, जल और लॉजिस्टिक्स सुविधाओं में भी उल्लेखनीय सुधार किया है। बिजली कटौती में कमी, नई उपस्टेशन इकाइयों की स्थापना, औद्योगिक क्षेत्रों में चौबीसों घंटे बिजली उपलब्ध कराने की व्यवस्था और नई सड़कों-पुलों का निर्माण इन सबने मिलकर विकास को गति देने में अहम योगदान दिया है। साथ ही, डिजिटल गवर्नेंस के स्तर पर भी अभूतपूर्व सुधार किए गए हैं। सरकारी पोर्टलों का विस्तार, ऑनलाइन सेवाओं की बढ़ोतरी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने वाले तकनीकी उपायों ने निवेशकों के लिए एक सहज, भरोसेमंद वातावरण तैयार किया है।

डॉ. मोहन यादव की सरकार का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि उन्होंने विकास को केवल उद्योग और पूंजी निवेश तक सीमित नहीं रखा। कृषि, उद्यानिकी, डेयरी, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में भी विकास के लिए स्पष्ट रणनीतियाँ अपनाई गईं। किसान-हितैषी निर्णय, समर्थन मूल्य नीति में सुधार, सिंचाई विस्तार, जैविक कृषि को बढ़ावा और सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता बढ़ाने जैसे प्रयासों ने प्रदेश की आर्थिक संरचना को अधिक व्यापक और स्थाई बनाया है। पर्यटन को उद्योग का दर्जा देने और इसकी आधारभूत संरचना को मजबूत करने से रोजगार और स्थानीय आय में वृद्धि की संभावनाएँ भी बढ़ी हैं।

प्रदेश की युवा शक्ति को ध्यान में रखते हुए कौशल विकास को विशेष महत्व दिया जा रहा है। स्किल पार्कों का निर्माण, आईटी और सेवाक्षेत्र पर जोर, और स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने की नीतियाँ इस सोच का हिस्सा हैं। इसीलिए ही इन दो वर्षों में मध्यप्रदेश में स्टार्टअप्स की संख्या बढ़ी है और निवेशकों की रुचि भी बढ़ी है जो इस नीति की सफलता का प्रमाण है। वहीं, इन सभी उपलब्धियों के बाद भी चुनौतियाँ कुछ कम नहीं हैं। यहां अच्छा यह है कि सरकार ने उन चुनौतियों को पहचाना है, उनके समाधान की दिशा में योजनाएं बनाकर कार्य किया जा रहा है जो राज्य की अर्थव्यवस्था को उन्नति की दिशा में लगातार अग्रसर करने का आज मुख्य कारण है।

इन दो वर्षों का सार यह है कि मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री के रूप में जो नेतृत्व दिया, वह प्रदेश हित में प्रभावी और परिणामकारी है। उनकी कार्यशैली ने साबित किया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, नीतिगत स्पष्टता और जमीनी क्रियान्वयन इन तीन स्तंभों पर आधारित नेतृत्व किसी भी राज्य की दिशा और दशा बदल सकता है। भाजपा का उन पर भरोसा वाकई प्रदेश के हित में ठहरा है। अतः आज मप्र जिस औद्योगिक और आर्थिक गति से आगे बढ़ रहा है, वह बताता है कि आने वाले वर्षों में यह राज्य निवेश, उद्योग, रोजगार और समग्र विकास का ऐसा केंद्र बन जाएगा, जिसकी कल्पना कुछ दशक पहले कठिन थी। डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश ने यह साबित किया है कि नई ऊर्जा, नई सोच और नई नीति के साथ परिवर्तन अवश्यंभावी है।

बदलती दुनिया में भारत-रूस की अटल साझेदारी

-योगेश कुमार गोयल-

विश्व राजनीति की जटिलताओं और शक्ति-संतुलन के नए उभार के बीच कुछ संबंध ऐसे होते हैं, जो समय के साथ अपनी प्रासंगिकता को विस्तार देते हुए नई दिशाएं निर्धारित करते हैं। भारत और रूस का रिश्ता ऐसे ही संबंध का उदाहरण है, जो युद्धों, तकनीकी क्रांतियों, आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक संरेखणों के अनेक चक्रों से गुजरते हुए भी ध्रुव तारे की तरह स्थिर बना रहा है। यह स्थिरता वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, रूसी विश्वास और दोनों देशों के साझा हितों का परिणाम है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में 5 दिसंबर को आयोजित 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन ने इस ऐतिहासिक स्थिरता को पुनर्पुष्ट करते हुए भविष्य की दिशा स्पष्ट कर दी। यह रिश्ता अब अतीत का बोझ नहीं, भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में एक सक्रिय और आवश्यक घटक है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-रूस संबंधों को 'ध्रुव तारे की तरह स्थिर' कहा तो वह केवल एक कूटनीतिक प्रशंसा वाक्य नहीं था। ध्रुव तारा दिशा दिखाने वाला स्थायी प्रकाश-स्रोत है और भारत-रूस संबंध भी आज वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं, ऊर्जा-भू-राजनीति, उभरती तकनीकों, व्यापारिक विविधीकरण और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा तय करते प्रतीत होते हैं।

इस शिखर वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत और रूस के बीच संबंध राष्ट्रीय हित, परस्पर सम्मान और साझा दृष्टिकोण की दृढ़ बुनियाद पर टिके हैं। ऐसे समय में, जब वैश्विक राजनीति अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, यूरोपीय सुरक्षा संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों, नाटो विस्तार और यूक्रेन युद्ध के दबावों से आकंठ भरी हुई है, भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति-दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने 'भारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030' नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया, जो व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, तकनीकी नवाचार, समुद्री अवसंरचना, श्रम गतिशीलता और रणनीतिक उद्योगों में साझेदारी को एक व्यापक और भविष्यनिष्ठ आधार प्रदान करता है। यह समझौता दो देशों के व्यापारिक हितों का विस्तार नहीं बल्कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में डॉलर वर्चस्व को चुनौती देने वाली और बहुध्रुवीय आर्थिक संरचना को स्थापित करने वाली एक साहसिक पहल भी है।

भारत और रूस के बीच व्यापारिक संबंधों की प्रकृति अब मूल्य, तकनीक और रणनीतिक नियंत्रण पर आधारित होती जा रही है। 2024 में दोनों देशों का व्यापार 64 अरब डॉलर तक पहुंच चुका था और अब 2030 तक इसे 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य उस नई आर्थिक संरचना की घोषणा है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच 96 प्रतिशत भुगतान रुपये और रूबल में होने लगा है। इस तथ्य का अर्थ वैश्विक आर्थिक विमर्श में अत्यधिक दूरगामी है, जो न केवल डॉलर की निर्भरता को चुनौती देता है बल्कि वैश्विक व्यापार को एक ऐसी राह पर ले जाता है, जहां मुद्रा-स्वायत्तता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और बहु-मुद्रा व्यापार व्यवस्था भविष्य का आधार बन सकती है। शिखर सम्मेलन में कृषि-उद्योग क्षेत्र में उर्वरक उत्पादन पर सहमति आने से भारत की खाद्य और कृषि सुरक्षा रणनीति को ऐतिहासिक मजबूती मिली है। आज जहां दुनिया संसाधन-संकट, कृषि लागत, उत्पादन सीमाएं और उर्वरक आपूर्ति से संबंधित अनिश्चितताओं का सामना कर रही है, वहीं भारत और रूस का संयुक्त यूरिया उत्पादन कार्यक्रम भारत को केवल खरीदार देश नहीं, वैश्विक कृषि-आपूर्ति श्रृंखला में सक्रिय उत्पादक राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा। यह भारत की आत्मनिर्भर कृषि नीति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के दीर्घकालिक ढांचे को सुदृढ़ करेगा।

फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में रूस में भारतीय तकनीक से फार्मा फैक्टरी की स्थापना स्वास्थ्य-क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत है। भारत आज दुनिया के लिए 'फार्मेसी ऑफ द ग्लोब' बन चुका है। कोविड काल में दुनिया ने यह देखा कि दवा निर्माण केवल उद्योग नहीं बल्कि सामरिक शक्ति भी है। रूस में दवा निर्माण भारत को न केवल बाजार देगा बल्कि ऐसे समय में तकनीकी और कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनाएगा, जब पश्चिमी दवाईयों की आपूर्ति-राजनीति वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली पर नियंत्रण का उपकरण बन चुकी है। भारत-रूस संबंधों का सबसे ठोस और दीर्घकालिक आयाम ऊर्जा क्षेत्र है। रूस भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा-आपूर्तिकर्ता बन चुका है और उसने विश्व के ऊर्जा-संकट के मध्य भारत को अबाध आपूर्ति देकर यह साबित किया कि यह संबंध परिस्थितियों से संचालित नहीं बल्कि विश्वास पर आधारित है।

सम्मेलन में परमाणु ऊर्जा पर हुई चर्चा और कुडनकुलम प्लांट के विस्तार की पुनर्पुष्टि भारत की स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा रणनीति को एक नई दिशा देती है। रूस द्वारा छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव उस परिवर्तन की पूर्वपीठिका है, जहां भारत विकेन्द्रीकृत ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से हर क्षेत्र को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ सकेगा। यह भारत के नेट-जीरो संकल्प की व्यवहारिक यात्रा का महत्वपूर्ण चरण है। क्रिटिकल मिनरल्स का मुद्दा आने वाली औद्योगिक क्रांति की रीढ़ है। एआई, इलैक्ट्रिक वाहन, एयरोस्पेस, बैटरी निर्माण और रोबोटिक्स, इन सभी उद्योगों का अस्तित्व लिथियम, निकेल, कोबाल्ट और रेयर-अर्थ मेटल्स पर निर्भर है। पश्चिमी देशों ने इन खनिजों पर एकाधिकारवादी नियंत्रण बनाने का प्रयास किया है जबकि भारत-रूस इस समीकरण को बदल रहे हैं। रूस के पास विशाल खनिज संसाधन हैं और भारत के पास विकासशील तकनीक, अनुसंधान क्षमता और उत्पादन की औद्योगिक शक्ति। दोनों का मिलन वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा को नया आयाम प्रदान करेगा।

भारत द्वारा रूसी नागरिकों के लिए 30 दिन तक मुफ्त ई-टूरिस्ट वीजा की घोषणा कूटनीति को लोगों की चेतना में स्थापित करती है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव की पुनर्पुष्टि है, जिसमें बौद्ध परंपरा, योग, भारत-रूस सांस्कृतिक आकर्षण और ऐतिहासिक धारा की निरंतरता उपस्थित है। यह पहल वैश्विक सूचना-राजनीति के युग में 'नैरेटिव स्वायत्तता' के निर्माण की ओर भी संकेत करती है, जिसे रूस के 'आरटी इंडिया' ब्यूरो की स्थापना आगे बढ़ाएगी। इस शिखर वार्ता में यूक्रेन संकट पर भारत की स्थिति ने अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भारत की नई भूमिका को स्पष्ट किया। भारत न तो किसी ध्रुव में समाहित है, न ही किसी वैश्विक सुरक्षा-प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बल्कि वह शांतिवादी और वैचारिक नेतृत्व के नए मॉडल के रूप में उभरा है। ब्रिक्स, जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर भारत और रूस का समन्वय बहुध्रुवीय व्यवस्था के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा रहा है। यह संबंध केवल सुरक्षा और सामरिक हितों से परे है, यह एक सभ्यतामूलक विमर्श है।

अध्यात्म है अपने भीतर सम्राट होना

अध्यात्म कायरों और निकम्मों के लिए नहीं है। आप अपने जीवन में कुछ और नहीं कर सकते और सोचते हैं कि मैं आध्यात्मिक हो सकता हूं तो यह संभव नहीं। अगर आपके पास इस संसार के किसी भी काम को बेहतर ढंग से करने की क्षमता और हिम्मत है, तब शायद आप आध्यात्मिक हो सकते हैं। आजकल पूरे समाज के मन में यही धारणा है कि सिर्फ निकम्मे और नालायक लोग ही अध्यात्म की तरफ जाते हैं। दरअसल इसकी वजह यह है कि आज तथाकथित आध्यात्मिक लोग ऐसे ही हैं। लेकिन यह अध्यात्म नहीं है। अगर आपको अपनी चेतना के शिखर पर पहुंचना है तो वहां एक निपट भिखारी कभी नहीं पहुंच सकता। भिखारी दो तरह के होते हैं। गौतम बुद्ध व उस स्तर के लोग उच्चतम श्रेणी के भिखारी हैं। दूसरे सभी निपट भिखारी हैं। मैं तो कहूंगा कि एक सड़क का भिखारी और राजगद्दी पर बैठा राजा दोनों ही भिखारी हैं, क्योंकि वे हर वक्त बाहर से कुछ मांग रहे होते हैं। सड़क का भिखारी हो सकता है कि पैसा, भोजन या आश्रय मांग रहा हो, जबकि राजा हो सकता है कि किसी दूसरे राज्य पर जीत या सुख जैसी बेकार की चीजें मांग रहा हो। वास्तव में हर इंसान किसी-न-किसी चीज की भीख मांग रहा है। बुद्ध ने केवल अपने भोजन के लिए भिक्षा मांगी, बाकी चीजों के लिए वे आत्मनिर्भर थे, जबकि दूसरे सभी लोग भोजन को छोड़ बाकी सभी चीजों के लिए भीख मांगते हैं। आध्यात्मिक होने का अर्थ है- अपने भीतर सम्राट होना। कोई व्यक्ति अपनी पूरी चेतना में क्या किसी ऐसे जीवन का चुनाव करेगा, जहां उसे कोई चीज किसी और से मांगनी पड़े? आपके भीतर सभी चीजें मौजूद हैं, आपको इन्हें बाहर नहीं खोजना। यहां तक कि किसी के संग-साथ की भी आपको जरूरत नहीं है। हां, अगर दूसरे इंसान को इसकी जरूरत है तो आप उसे साथ दे सकते हैं। इसका मतलब है कि अब आप भीतर से भिखारी नहीं रह गए हैं। हो सकता है कि केवल बाहरी चीजों के लिए आपको बाहर संसार में जाना पड़े। यही परम मुक्ति है। अगर आप शिव से मिलना चाहते हैं तो बेहतर होगा कि उनकी शर्तों पर मिला जाए। वे एक निपट भिखारी से मिलने नहीं आने वाले। आप या तो उनसे उनकी शर्तों पर मिलें या बस विसर्जित हो जाएं। बस यही दो रास्ते हैं। यही ज्ञान-मार्ग और भक्ति-मार्ग का मतलब है। देखने में प्रेम या भक्ति का मार्ग बहुत आसान लगता है।

आज का इतिहास

1863 - चीली की राजधानी सेंटियागो स्थित जेसूइट गिरजाघर में आग लगने से ढाई हजार लोगों की मौत।
1881 - यूरोपीय देश ऑस्ट्रिया की राजधानी विएना में थियेटर में आग लगने से 800 से ज्यादा लोगों की मौत।
1923 - जर्मनी और अमेरिका के बीच मित्रता संधि पर हस्ताक्षर किए गये।
1941 - अमेरिका और ब्रिटेन ने जापान के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1956 - आस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में सोलहवें ओलंपिक खेल का समापन।
1967 - पहले पनडुब्बी आईएनएस कलवरी को सेना में शामिल किया गया।
1976 - अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।
1987 - अमेरिका के राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन और सोवियत नेता मिखाइल गोर्बाचोव ने परमाणु हथियारों में कटौती की संधि पर हस्ताक्षर किए।
1991 - रूस, यूक्रेन और बेलारूस ने सोवियत संघ के पतन के बाद स्वतंत्र देशों का राष्ट्रमंडल बनाने के लिए एक संधि पर दस्तखत किए।
1995 - चीन द्वारा विवादास्पद रूप से 6 वर्षीय बालक झेनकेन नोरबू की पंचेन लामा के अवतार के रूप में ताजपोशी एवं मान्यता।
1998 - पूर्व लेफ्टिनेंट कर्नल ह्यूगो शावेज वेनेजुएला के नये राष्ट्रपति बने।
1998 - ओलंपिक के इतिहास में पहली बार महिला आइस हॉकी शामिल गया था। फिनलैंड ने पहले मुकाबले में स्वीडन को 6-0 से हराया।
2000 - ब्रिटेन और रूस के बीच रक्षा समझौता सम्पन्न।
2000 - फ्रांस के वैज्ञानिकों ने अल्जाईमर का नया उपचार 'गोलनेटमाइन' खोजा।
2000 - युगांडा में खतरनाक इबोला वायरस के पीड़ितों की संख्या 400 के पार पहुंची जिसमें 160 लोगों की मौत हो गयी।
2002 - भारत की पारम्परिक जैव सम्पदा नीम, हल्दी और जामुन के बाद गौमूत्र को संयुक्त राज्य अमेरिका ने पेटेंट किया।
2002 - पूर्वी नेपाल नक्सलियों ने बम से हमला कर एक बस को उड़ा दिया जिसमें पांच व्यक्ति मारे गए और 30 से ज्यादा घायल हो गए।
2003 - निलम्बन की अवधि बढ़ाये जाने के बाद जिम्बाव्वे ने राष्ट्रकुल से अपने को अलग करने की घोषणा की।
2004 - पाकिस्तान ने 700 कि.मी. की दूरी तक मार करने वाली शाहीन-1 मिसाइल का सफल परीक्षण किया।

जब संतुलन बनाए रखने का नाम सेंसरशिप बन जाए

-हिमांशु शेखर

आज इंटरनेट पर बोलने की आजादी बची है, लेकिन सुनाई देने की आजादी खत्म हो रही है। निजी प्लेटफॉर्म्स के एल्गोरिदम तय करते हैं कि किसकी आवाज दबेगी और किसकी गूंजेगी। भारत भी इस जंग के केंद्र में है। कभी इंटरनेट को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक चौपाल कहा जाता था, जहां हर व्यक्ति बिना डर के बोल सकता था। अब वो सपना टूट चुका है। अब सवाल यह नहीं कि कौन बोलेगा, बल्कि यह कि किसे सुना जाएगा। यह फैसला न अदालत करती है, न संसद, बल्कि कुछ मुट्ठी भर तकनीकी कंपनियों के बंद कमरों में चलने वाले कोड करते हैं। भारत जैसे सबसे बड़े डिजिटल समाज में यह लड़ाई और तीखी हो गई है।

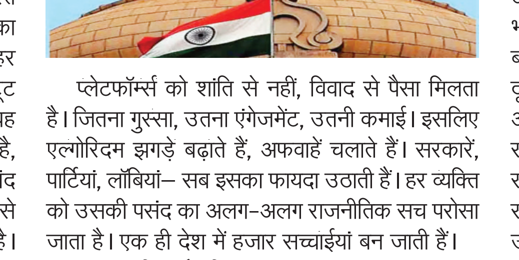

आजादी और पहुंच में फर्क

बोलने की आजादी का मतलब अब सिर्फ पोस्ट डालने भर से पूरा नहीं होता। पोस्ट रहती है, पर कोई देखता नहीं। वीडियो अपलोड होता है, पर सुझावों में नहीं आता। इसे कहते हैं शैडो-बैनिंग। बिना सूचना, बिना अपील के आपकी आवाज गायब कर दी जाती है। यह नई सेंसरशिप है- खामोश, लेकिन खतरनाक।

मॉडरेशन या विचारधारा का फिल्टर

पहले मॉडरेशन का मतलब स्पैम और हिंसा रोकना था। अब यह तय करता है कि कौन सा विचार ज्यादा लोगों तक पहुंचेगा। एक छोटा-सा नीतिगत बदलाव रातोंरात लाखों क्रिएटर्स की कमाई छीन लेता है। कोई पारदर्शिता नहीं, कोई जवाबदेही नहीं। यूजर को पता भी नहीं चलता कि उसका फीड कितना इंजीनियर्ड है।

गुस्सा बेचने का धंधा

प्लेटफॉर्म्स को शांति से नहीं, विवाद से पैसा मिलता है। जितना गुस्सा, उतना एंगेजमेंट, उतनी कमाई। इसलिए एल्गोरिदम झगड़े बढ़ाते हैं, अफवाहें चलाते हैं। सरकारें, पार्टियां, लॉबियां- सब इसका फायदा उठाती हैं। हर व्यक्ति को उसकी पसंद का अलग-अलग राजनीतिक सच परोसा जाता है। एक ही देश में हजार सच्चाईयां बन जाती हैं।

भारत की अनोखी जंग

भारत में अंतरपक्ष नियमों ने प्लेटफॉर्म्स को 36 घंटे में कंटेंट हटाने को बाध्य किया है। डेटा प्रोटेक्शन कानून बना, पर सरकार को छूट मिली। डीपफेक चुनावों में तबाही मचा रहे हैं, पर अभी तक कोई खास कानून नहीं। कोर्ट हर हफ्ते नए केस सुन रहे हैं। भारत जो रास्ता चुनेगा, दुनिया उसे देखेगी।

नया सामाजिक अनुबंध चाहिए

अब लोकतंत्र की असली परीक्षा यह है कि निजी कंपनियों के हाथ में जनता का चौपाल कैसे छीना जाए। इसके लिए जरूरी है एल्गोरिदम में पारदर्शिता, प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही और नागरिकों को सशक्त बनाना। जब तक यह नहीं होगा, सच नहीं, कोड तय करेगा कि हम क्या जानें और क्या मानें।

ग्रुप एडिटर, दैनिक भास्कर (यूपी, उत्तराखंड)।

संघ का सनातन एवं प्रकृति-दर्शन: वैश्विक चेतना का आह्वान

-ललित गर्ग-

भारत की सांस्कृतिक चेतना की जड़ में पंचमहाभूतों की जीवन-व्यवस्था है-भूमि, जल, अग्नि, वायु और आकाश का संतुलन ही भारतीय ज्ञान-तंत्र की आत्मा है। "भगवान" शब्द के अक्षरों में निहित पंचतत्त्वों का सार यही दर्शाता है कि भारतीय जीवन-दर्शन में भगवान कोई बाहरी सत्ता नहीं, बल्कि प्रकृति और संस्कृति का सुसंगठित योग है। यही दृष्टि सनातन कहलाती है, नित्य प्रवाहमान, पुनर्जननशील, अविनाशी। जब भारत का जीवन इसी तत्त्वदृष्टि से संचालित था, तब वह न केवल आर्थिक रूप से बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी विश्व-गुरु था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में यह विचार और भी प्रासंगिक हो उठता है कि संघ का अस्तित्व ही सनातन जीवन-शैली की पुनर्स्मृति, पुनर्रचना और पुनर्स्थापना का प्रयत्न है। संघ नेतृत्व विशेषकर सरसंघचालक श्री मोहन भागवत की दृष्टि इस मूल दर्शन की आधुनिक व्याख्या है- "भारत की पहचान धर्म से है और धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि वह जीवन-शैली है, जिसमें प्रकृति, समाज, संस्कृति और आत्मा का संतुलन हो।" उनकी यह बात भारत की वैदिक चेतना को वर्तमान विश्व-यथार्थ में स्थापित करती है।

संघ के शताब्दी वर्ष का समय केवल एक संगठनात्मक उत्सव नहीं बल्कि भारत की सनातन जीवन पद्धति के पुनरुत्थान का क्षण है। संघ सरचालक श्री मोहन भागवत बार-बार यह कहते रहे हैं कि भारत का अस्तित्व किसी राजनीतिक ढांचे से नहीं बल्कि उसकी प्रकृति और संस्कृति के अखंड योग से बना है। भारतीय जीवन का यह सत्य पंचमहाभूतों के योग में निहित है, जिनसे सृष्टि बनी और जिनकी गति को भगवान कहा गया। मोहन भागवत का दृष्टिकोण इस सत्य को आधुनिक भाषा में समझाता है कि सनातन केवल कोई धर्म नहीं बल्कि वह जीवन-तंत्र है जो मानव और प्रकृति के संतुलन से चलता है। भारतीयता प्रकृति-पूजक है और संस्कृति को उसी प्रकृति की लय पर निर्मित करती है।

आज की दुनिया युद्ध, आतंक, प्रतिस्पर्धा और पकर्यावरणीय संकट से त्रस्त है। मानव की भूख केवल संसाधन और उपभोग तक सीमित होने से जीवन तनाव, प्रदूषण और अव्यवस्था का पर्याय बनता जा रहा है। यही पश्चिमी दुनिया की शोषणकारी दृष्टि रही जिसने प्रकृति पर नियंत्रण को प्रगति माना, जबकि भारत की दृष्टि पोषण और सहअस्तित्व की थी। मोहन भागवत कहते हैं कि भारत का मार्ग "सबका हित और सबके साथ" पर आधारित है, क्योंकि भारतीय समाज ने प्रकृति को माता माना और संस्कृति को उसका स्वरूप। यह वही दृष्टि है जिसमें धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष जीवन के चार आयाम हैं; जहां मोक्ष की चाह लालच रहित आनंद में है और जीवन को आरोग्य बनाना ही संस्कृति का प्रमुख लक्ष्य है। संघ का जीवन यही संदेश देता है कि व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और विश्व तभी स्वस्थ होंगे जब मानव प्रकृति के साथ समरस जीवन जिएगा। आज जब राष्ट्रवाद को भौतिक शक्ति से मापा जा रहा है, तब मोहन भागवत इसके आध्यात्मिक स्वरूप को स्पष्ट करते हैं। राष्ट्र उनके लिए भू-भाग ही नहीं, बल्कि स्मृति, संस्कृति, प्रण और परंपरा का जीवंत व्यक्तित्व है। वे कहते हैं कि भारत की शक्ति उसकी विविधता और सामंजस्य में है, और सनातन इसलिए सनातन है क्योंकि वह पुनर्जननशील है; वह कभी समाप्त नहीं होता क्योंकि उसका आधार प्रकृति है। यही कारण है कि संघ की जीवन शैली में ग्राम विकास, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य आधारित आहार-विहार, चरित्र निर्माण और संतुलित व्यवहार को स्थान दिया गया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@gmail.Com

पूर्वी लद्दाख में सेना के लिए खोली गई 12 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर बनी श्योक टनल

रक्षा मंत्री ने श्योक नदी क्षेत्र के पास बनाई गई रणनीतिक सुरंग का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में 12 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर बनाई गई श्योक टनल रविवार को सेना के लिए खोल दी गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसका उद्घाटन किया, जिसके बाद पूर्वी लद्दाख के डेपसांग–डीबीओ सेक्टर तक भारतीय सेना की पहुंच अब ज्यादा तेज, सुरक्षित और सुगम हो जाएगी। भारी बर्फबारी में भी सैनिक, हथियार व लॉजिस्टिक मूवमेंट की गति कई गुना बढ़ेगी, जिससे संवेदनशील एलएसी क्षेत्रों में परिचालन तत्परता और मजबूत होगी।

पूर्वी लद्दाख में श्योक नदी क्षेत्र के पास बनाई गई श्योक टनल रणनीतिक सुरंग है, जो दर्बुक–श्योक–दौलत बेग ओल्डी रोड को हर मौसम में जोड़ने के लिए बनाई गई है। यह 322 किलोमीटर लंबी दर्बुक–श्योक–दौलत बेग ओल्डी रोड का हिस्सा है, जो भारतीय सेना की सबसे रणनीतिक सप्लाई लाइनों में से एक है। यह सड़क चीन सीमा पर वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के बेहद करीब जाती है, इसलिए यह सुरंग सेना के लिए बेहद अहम है। पहाड़ों के ऊंचे दर्रे अक्सर सर्दियों में भारी बर्फबारी और हिमस्खलन की वजह से बंद हो जाते हैं, जिससे सैनिकों और सामान की आपूर्ति पर असर पड़ता है। नई श्योक टनल इस परेशानी को काफी हद तक दूर कर देगी। बॉर्डर रोड्स ऑर्गेनाइजेशन (बीआरओ) के इस प्रोजेक्ट का रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उद्घाटन करके पूर्वी लद्दाख में चीन के खिलाफ भारतीय सेना को बड़ी बढ़त दिलाई है। उन्होंने कहा कि अभी कुछ ही महीने पहले हमने देखा, जब पहलगाम के दुर्दांत आतंकी हमले का जवाब देते हुए हमारी सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। वैसे करने को तो हम बहुत कुछ कर सकते थे लेकिन हमारी सेनाओं ने पराक्रम के साथ-साथ धैर्य का भी परिचय देते हुए उतना ही किया, जितना आवश्यक था। इतना बड़ा ऑपरेशन इसलिए संभव हो पाया, क्योंकि हमारी कनेक्टिविटी मजबूत थी। हमारी सेनाओं के पास सही समय पर लॉजिस्टिक पहुंचाया जा सका। सीमा क्षेत्रों के साथ भी हमारी कनेक्टिविटी बनी रही, जिसने ऑपरेशन सिन्दूर को ऐतिहासिक सफलता दी।

रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान हमारी सेनाओं और नागरिक प्रशासन के साथ सीमा क्षेत्रों के नागरिकों का सहयोग देखने को मिला, वह भी तारीफ करने के काबिल था। हमारा आपसी जुड़ाव ही हमें दुनिया में सबसे अलग पहचान दिलाता है। हमारा हमेशा यह प्रयास रहा है कि लद्दाख समेत जितने भी सीमा क्षेत्र हैं, उनके साथ हमारा संचार और अधिक मजबूत हो। अभी हाल ही में चाणक्य डिफेंस डॉयलाग के दौरान लद्दाख में 200 किलोवाट के ग्रीन हाइड्रोजन आधारित माइक्रोग्रिड पावर प्लांट का उद्घाटन किया गया, जो इस क्षेत्र के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों के लिए भी बहुत लाभकारी होगा। सीमा क्षेत्रों में बीआरओ के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्रों में कनेक्टिविटी का बढ़ना सबको प्रभावित कर रहा है।

आज हमारे जवान कठिन इलाकों में इसलिए मजबूती से खड़े हैं, क्योंकि उनके पास सड़कें, रियल-टाइम कम्युनिकेशन सिस्टम, सैटेलाइट सपोर्ट, सर्विलांस नेटवर्क और रसद संपर्क उपलब्ध है। सीमा पर तैनात जवान की जिंदगी का एक-एक मिनट, एक-एक सेकेंड बहुत महत्वपूर्ण होता है।इसलिए कनेक्टिविटी को सिर्फ नेटवर्क, ऑप्टिकल फाइबर, ड्रोन, रडार तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे सुरक्षा की रीढ़ के रूप में देखा जाना चाहिए। बॉर्डर एरिया में बनने वाली सड़कें सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, सशस्त्र बलों की गतिशीलता और आपदा प्रबंधन सबके लिए लाइफलाइन जैसी होती हैं।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस, सीडीएस व नौसेना प्रमुख ने सशस्त्र बलों के समर्पण को किया नमन

नई दिल्ली। सशस्त्र सेना झंडा दिवस 2025 के अवसर पर देशभर में सेना, नौसेना और वायुसेना के वीर सैनिकों, पूर्व सैनिकों तथा वीर नारियों के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ व नौसेना प्रमुख समेत देश के शीर्ष सैन्य नेतृत्व और रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, समर्पण और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। साथ ही सशस्त्र बलों के फ्लैग डे फंड में योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने सभी भारतीय सैनिकों, पूर्व सैनिकों और वीर नारियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों के सभी रैंक देश की रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा में अद्वितीय योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सैनिकों की अटूट निष्ठा, अदम्य साहस और निरंतर सेवा भावना ने राष्ट्र को हर मोर्चे पर सुरक्षित रखा है। देश उनके पराक्रम और बलिदानों के प्रति सदैव कृतज्ञ रहेगा। नौसेना अध्यक्ष एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी तथा भारतीय नौसेना के सभी अधिकारी और कर्मियों ने इस दिवस पर राष्ट्र की रक्षा में योगदान देने वाले सैनिकों, नौसैनिकों और वायु योद्धाओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने इस मौके पर कहा कि नौसेना वीर सैनिकों, पूर्व सैनिकों और वीर नारियों के कल्याण के प्रति संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना एक विकसित और सुरक्षित भारत के निर्माण में अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करती रहेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बल फ्लैग डे के अवसर पर सशस्त्र बलों के पराक्रम को सलाम किया। उन्होंने कहा कि हमारे जवानों का साहस और त्याग राष्ट्र की सुरक्षा का प्रतीक है। उनकी निस्वार्थ सेवा ऐसे ऋण की याद दिलाती है जिसे देश कभी चुका नहीं सकता। उन्होंने सभी नागरिकों से सशस्त्र बल फ्लैग डे में उदारतापूर्वक योगदान देने की अपील की। रक्षामंत्री ने कहा कि यह सहयोग उन योद्धाओं और उनके परिवारों के साथ खड़े होने का महत्वपूर्ण माध्यम है, जो देश की सुरक्षा में सदैव तत्पर रहते हैं। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस हमारे वीर सैनिकों, पूर्व सैनिकों और वीर नारियों की त्यागमयी सेवा को राष्ट्रीय सम्मान देने का दिन है। उन्होंने केंद्रीय सैनिक बोर्ड के सचिव वीएसएम ब्रिगेडियर डी.एस. बसेरा द्वारा ध्वज लगाए जाने को अपने लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। संजय सेठ ने देशवासियों से आग्रह किया कि वे उदारतापूर्वक सशस्त्र बल फ्लैग डे में सहयोग देकर इस महत्वपूर्ण कल्याणकारी अभियान को सशक्त बनाएं।

इंडिगो की अव्यवस्था पर सरकार सख्त, मंत्री मुरलीधर किसन मोहोल ने प्रबंधन को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली। देश में पिछले कुछ दिनों से विमानन क्षेत्र में उत्पन्न अव्यवस्था पर केंद्र सरकार सक्रिय हो गई है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर किसन मोहोल ने इस स्थिति के लिए सीधे तौर पर इंडिगो एयरलाइन के प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया है। मंत्री मोहोल ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से मंजूर किए गए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिट (एफडीटीएल) नियमों को लागू करने में इंडिगो ने लापरवाही बरती, जिसके कारण संचालन प्रभावित हुआ और यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। अदालत के निर्देश के बाद एफडीटीएल में 10 घंटे की ड्यूटी अवधि को घटाकर 8 घंटे करने का आदेश दिया गया था। मंत्री मोहोल ने बताया कि मंत्रालय ने एयरलाइंस को इसे दो चरणों, 01 जुलाई 2025 और 01 नवंबर 2025 में लागू करने के निर्देश दिए थे, लेकिन इंडिगो ने इसे गंभीरता से नहीं माना। इसके बाद हालात बिगड़ने पर मंत्रालय और डीजीसीए ने त्वरित एक्शन लेते हुए चार सदस्यीय जांच समिति गठित की है और 24×7 नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है। सरकार ने एफडीटीएल लागू

करने की समयसीमा फिलहाल फरवरी 2026 तक टाल दी है। वहीं, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो के सीईओ को शो-कॉज नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर जवाब देने को कहा है। मंत्री मोहोल ने कहा कि यात्रियों का गुस्सा वाजिब है और जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि विमानन सेवाओं को जल्द सामान्य किया जाएगा। इसी क्रम में सरकार ने एयरलाइन कंपनियों के अचानक बढ़े किरायों पर भी नियंत्रण लगाने के लिए नई किराया सूची जारी की है। जिन यात्रियों को इस संकट की वजह से परेशानी हुई है, उन्हें बिना किसी रद्द शुल्क के पूरा पैसा वापस किया जाएगा और यात्रियों का खोया सामान 48 घंटे के अंदर लौटाने का आदेश दिया गया है।

उज्जैन में महाकाल मंदिर की ऑनलाइन बुकिंग 25 दिसंबर से होगी बंद

नए साल पर बदली जाएगी दर्शन व्यवस्था

उज्जैन (मध्य प्रदेश)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में नए साल 2026 के अवसर पर बढ़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को ध्यान में रखते हुए बड़ा निर्णय लिया गया है। मंदिर समिति ने घोषणा की है कि 25 दिसंबर से 05 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन बुकिंग पूरी तरह बंद रहेगी। इस दौरान भक्त केवल ऑफलाइन माध्यम से ही भस्म आरती और अन्य दर्शन की अनुमति प्राप्त कर सकेंगे। इसलिए यदि इन तारीखों में दर्शन का कार्यक्रम बना रहे हैं, तो समय से पूर्व योजना बनाना आवश्यक होगा। मंदिर समिति के अनुसार, 31 दिसंबर से दो जनवरी के बीच करीब 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के उज्जैन आने की संभावना है। भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा और दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है। समिति का मानना है कि ऑफलाइन व्यवस्था के माध्यम से भीड़ पर बेहतर नियंत्रण रखा जा सकेगा।

नए साल पर दर्शन मार्ग में बड़ा बदलाव

वर्ष 2026 में महाकाल मंदिर परिसर में दर्शन व्यवस्था भी बदल दी जाएगी। नई व्यवस्था के अनुसार भक्तों की एंट्री त्रिवेणी संग्रहालय से होगी, वहां से महाकाल लोक के दर्शन करते हुए मानसरोवर तक पहुंचेंगे। इसके बाद टनल मार्ग से होते हुए गणेश मंडपम में दर्शन करेंगे और अंत में एग्जिट टनल से बछड़ा गणेश मंदिर के सामने बाहर निकलेंगे। इस दौरान केवल ऑफलाइन पंजीकरण के आधार पर एंट्री मिलेगी। श्रद्धालुओं को एक दिन पहले पहुंचकर फॉर्म भरना होगा। परमिशन भी भीड़ की संख्या के आधार पर दी जाएगी, इसलिए पहले आओ पहले पाओ की स्थिति रहेगी।

प्रसादी की मात्रा में होगा इजाफा

नए साल में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आमद को देखते हुए मंदिर समिति ने लड्डू प्रसादी की मात्रा भी बढ़ाने का फैसला किया है। आम दिनों में जहां 30 से 40 क्विंटल लड्डू बनते हैं, वहीं नववर्ष के दौरान 50 क्विंटल से अधिक प्रसादी तैयार की जाएगी, ताकि किसी भक्त को प्रसाद के लिए परेशान न होना पड़े।

सुरक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव

जानकारी के अनुसार एक जनवरी 2026 से महाकाल मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था भी पूरी तरह बदली जाएगी। अब सुरक्षा की जिम्मेदारी दिल्ली की 'कोर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड' कंपनी संभालेगी। इसके लिए मंदिर समिति को एक वर्ष में लगभग 20 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। इससे पहले सुरक्षा की कमान 'क्रिस्टल' और 'केएसएस' कंपनियों के पास थी, जिनका कॉन्ट्रैक्ट समाप्त हो चुका है। अब नए कॉन्ट्रैक्ट में कई सख्त शर्तें जोड़ी गई हैं, कंपनी को 1000 सुरक्षाकर्मी तैनात करने होंगे, जिनमें कुछ हथियारों से लैस गार्ड भी रहेंगे, सभी सुरक्षा कर्मियों के लिए ड्रेस कोड अनिवार्य होगा।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सैनिक कल्याण हेतु 11 हजार रुपये का दिया योगदान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई दी और इस अवसर को वीर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करने का दिन बताया। उन्होंने कहा कि यह दिवस सैनिकों तथा उनके परिवारों के कल्याण के लिए योगदान देने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सैनिक कल्याण के लिए क्यूआर कोड के माध्यम से 11 हजार रुपये की राशि ऑनलाइन भेंट की। उन्होंने जनता से भी अपील की कि शहीद सैनिकों के परिवारों और शारीरिक रूप से अक्षम सैनिकों के कल्याण हेतु अपना सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में ब्रिगेडियर अरुण नायर (सेना मेडल, सेवानिवृत्त) और सैनिक कल्याण बोर्ड के संचालक ने मुख्यमंत्री को झंडा लगाकर स्मृति चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम में सैनिक कल्याण बोर्ड के आर.एन. सिंह तोमर, ग्रीश चंद्र यादव, शैलेश कुमार चौकसे, संजय भील और जसवीर सिंह भी उपस्थित रहे।

रायपुर–विशाखापत्तनम इकोनॉमिक कॉरिडोर दिसंबर 2026 तक होगा पूरा

यात्रा समय 12 घंटे से घटकर 5 घंटे

नई दिल्ली। रायपुर–विशाखापत्तनम इकोनॉमिक कॉरिडोर परियोजना दिसंबर 2026 तक पूरी हो जाएगी। इसके शुरू हो जाने से छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के बीच यात्रा दूरी 597 किलोमीटर से घटकर 465 किलोमीटर रह जाएगी, जबकि यात्रा समय 12 घंटे से घटकर मात्र 5 घंटे का हो जाएगा।

यह 6-लेन ग्रीनफील्ड हाईवे परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा पीएम गतिशक्ति योजना के तहत 16,482 करोड़ रुपये की लागत से बनाई जा रही है। एक्सेस कंट्रोल तकनीक से निर्मित यह हाईवे 100 किलोमीटर प्रति घंटे की डिजाइन गति पर आधारित होगा, जिससे माल ढुलाई और यात्री परिवहन दोनों तेज और सुरक्षित होंगे।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, इस कॉरिडोर के पूरा होने से छत्तीसगढ़ और ओडिशा के औद्योगिक क्षेत्रों को विशाखापत्तनम पोर्ट व चेन्नई–कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग से सीधा संपर्क मिलेगा। इससे लॉजिस्टिक लागत घटेगी, सप्लाई चेन मजबूत होगी और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही मौजूदा 2-लेन एनएच-26 पर यातायात दबाव में भी कमी आएगी।

परियोजना का असर स्थानीय स्तर पर नजर आने लगा है। परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों का कहना है कि यात्रा समय कम होने से डीजल और मेंटेनेंस खर्च में भारी

कमी आएगी। वहीं, किसान इस परियोजना को आर्थिक वृद्धि का माध्यम मान रहे हैं। रायपुर से विशाखापत्तनम तक नियमित रूप से माल भेजने वाले ट्रक मालिक विशाल का कहना है कि पहले इस सफर में करीब डेढ़ दिन लग जाता था, लेकिन नया कॉरिडोर शुरू होने के बाद वह दिन में चलकर रात तक गंतव्य पर पहुंच सकेंगे। इससे डीजल खर्च, समय और ट्रकों के रखरखाव पर खर्च में बड़ी बचत होगी। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में जमीनों की कीमतों में बड़ा उछाल देखा गया है। जहां पहले कीमत लगभग 15 लाख रुपये प्रति एकड़ थी, वहीं अब बढ़कर 1.5 करोड़ रुपये प्रति एकड़ तक पहुंच गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक स्थिति में तेज सुधार देखा जा रहा है। विजयनगरम जिले के जामी गांव के निवासी श्रीनिवासुलु ने बताया कि उन्होंने ग्रीनफील्ड हाईवे के लिए 1.10 एकड़ जमीन दी है, जिसके बदले उन्हें उचित मुआवजा मिला है। साथ ही बची हुई जमीन की कीमत में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है, जिससे गांव के किसान भविष्य को लेकर उत्साहित हैं।

यह कॉरिडोर छत्तीसगढ़ के धमतरी, कांकेर, केशकाल, ओडिशा के नबरंगपुर, कोरापुट, बोरिगुम्मा और आंध्र प्रदेश के अराकू व आसपास के आदिवासी क्षेत्रों को बेहतर सड़क कनेक्टिविटी देगा। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, पर्यटन और रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी की उम्मीद है। परियोजना के 15 पैकेजों में निर्माण कार्य चल रहा है और सरकार इसे औद्योगिक, सामाजिक और परिवहन विकास का बड़ा कदम मान रही है।

कृषि ऋण कराने के नाम पर रिश्वत, बैंक मैनेजर और कर्मचारी रंगे हाथ गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की दुर्वाशा शाखा के ब्रांच मैनेजर और एक संविदा कर्मचारी को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। दोनों पर किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण स्वीकृत कराने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान श्रवण टंडन (ब्रांच मैनेजर) और विश्वराम (संविदा कर्मचारी) के रूप में हुई है। दोनों आजमगढ़ स्थित उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की दुर्वाशा शाखा में तैनात थे। सीबीआई के मुताबिक, शिकायत मिलने के बाद एजेंसी ने 5 दिसंबर को मामला दर्ज किया था। आरोप है कि बैंक अधिकारी 2.52 लाख रुपये के केसीसी ऋण के लिए 10 प्रतिशत के हिसाब से 25 हजार रुपये रिश्वत की मांग कर रहे थे। बातचीत के बाद यह राशि घटाकर 20 हजार रुपये तय की गई। इसके बाद सीबीआई ने 6 दिसंबर को जाल बिछाया और शिकायतकर्ता से तय रकम लेते समय दोनों आरोपितों को धर दबोचा। सीबीआई अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद दोनों से पूछताछ चल रही है और ट्रैप से जुड़ी आगे की कार्रवाइयां जारी हैं।

मणिपुर में मादक पदार्थों की भारी खेप बरामद, कई गिरफ्तार

इंफाल। सुरक्षा बलों और मणिपुर पुलिस ने उगाही, धमकी और अन्य आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ चलाये गये राज्यव्यापी अभियान में कई गिरफ्तारियाँ की हैं। पुलिस ने रविवार को बताया कि 5 दिसंबर को मणिपुर पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और असम राइफल्स की एक संयुक्त टीम ने जिरीबाम जिले के लेइंगंगपोक्पी गाँव में एक टोयोटा फॉर्च्यूनर को रोककर उसमें अवैध सामग्री ले जाने के संदेह में दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान असम के रानीघाट निवासी राजीब हुसैन मजूमदार और असम के दुबांग निवासी सहर आलम मजूमदार के रूप में हुई। तलाशी के दौरान अधिकारियों को याबा सिंथेटिक मादक टैबलेट की भारी खेप मिली। करीब 5.184 किलोग्राम की लगभग 50,000 टैबलेट वाहन से बरामद की गयी। इसके अलावा तीन मोबाइल फोन और एक आधार कार्ड भी जब्त किया गया। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी ये मादक पदार्थ मणिपुर में ले जा रहे थे। तस्करी में इस्तेमाल किए गए वाहन को जब्त कर लिया गया है और टैबलेट के स्रोत और उनके संभावित प्राप्तकर्ताओं का पता लगाने के लिए गहन जांच जारी है।

मणिपुर में विभिन्न उग्रवादी संगठनों के 11 उग्रवादी गिरफ्तार

इम्फाल। मणिपुर में उगाही और उग्रवादी गतिविधियों पर नकेल कसने के तहत सुरक्षा बलों और राज्य पुलिस ने बीते 24 घंटे में बड़े पैमाने पर संयुक्त अभियान चलाते हुए विभिन्न उग्रवादी संगठनों से जुड़े 11 कैडरों को गिरफ्तार किया। इम्फाल वेस्ट, थौबल, विष्णुपुर और काकचिंग जिलों में चली इस कार्रवाई ने घाटी क्षेत्रों में सक्रिय नेटवर्क को कमजोर करने की रणनीति को और तेज कर दिया है। कार्रवाई की शुरुआत इम्फाल वेस्ट से हुई, जहां सुरक्षा बलों ने प्रीपाक (प्रो)–जी5 गठजोड़ के कैडर इरोम बोयाई सिंह उर्फ यैतानबा (24) को नागामापाल कंगजाबी लेइराक से पकड़ा। वह मूल रूप से विष्णुपुर जिले के कैइबुल लामजाओ का रहने वाला है और उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। थौबल जिले में, पुलिस ने केवाईकेएल के कैडर उषाम तोंबा

सिंह उर्फ हेइब्रा (24) को सैकों लाबुक इलाके से गिरफ्तार किया। उसके पास से एक मोबाइल फोन मिला। इसके बाद, सुरक्षा बलों ने हेइरोक गेट के पास हेरोक पार्ट-II से आरपीएफ/पीएलए के कैडर थोकचोम अंगौसना सिंह उर्फ संतोष (52) को पकड़ा। एक मोबाइल फोन और सिम कार्ड जब्त किए गए। काकचिंग जिले में, हियंगलाम थाना क्षेत्र के सेक्मैजिन खोइडुम से केसीपी (एमएफएल) के कैडर केशम थाम्बा सिंह उर्फ प्रीतम (32) को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उधर, इम्फाल वेस्ट में पुलिस ने यूएनएलएफ (कोइरेंग) के सक्रिय सदस्य हिजाम मर्जित सिंह उर्फ धामेन (51) को मिनुथोंग से पकड़ा। पुलिस के अनुसार, वह जी5 गठजोड़ के नाम पर इम्फाल–डिमापुर हाईवे पर ट्रक चालकों से उगाही में शामिल था। एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। थौबल जिले में ही, यूएनएलएफ (कोइरेंग) के एक और उगाहीकर्ता सोइबम बसंता सिंह उर्फ सम्थबा (37) को लाइफ्राकपम ममंग लेइकाई से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से मोबाइल फोन और सिम कार्ड मिले। यैरिपोक थाना क्षेत्र के तहत एक अन्य महत्वपूर्ण कार्रवाई में, केसीपी (अपुनबा) के दो कैडर – कोंसाम अनो सिंह (26) और खोइरम लांगबा मैतेई (27) – को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से एक कार्बाइन एसएमजी, दो खाली मैगजीन, एक मोबाइल फोन और एक दोपहिया वाहन जब्त किया गया। विष्णुपुर जिले में तेरा उरक चेकिंग प्वाइंट पर प्रीपाक के कैडर थोकचोम सुशीलकुमार उर्फ आमो (34) को गिरफ्तार किया गया। इम्फाल वेस्ट पुलिस ने केसीपी (अपुनबा) के एक और सदस्य सिनाम देवेन सिंह (25) को लम्बोइखोंगनांगखोंग से पकड़ा और उसके पास से मोबाइल फोन और दो सिम कार्ड बरामद किए। एक दिन पहले, काकचिंग लमखाई क्षेत्र में भारत–बर्मा सुगनू मार्ग पर केसीपी (तैबांगनबा) के कैडर वांगखेम चिंगलेन सिंह (29) को गिरफ्तार किया गया था। उसके पास से एक मोबाइल फोन और एक डीजल ऑटो जब्त हुआ। अधिकारियों ने बताया कि लगातार हो रही ये गिरफ्तारियां उगाही नेटवर्क को तोड़ने, उग्रवादी फंडिंग को बाधित करने और सक्रिय कैडरों को निष्क्रिय करने की सख्त रणनीति का हिस्सा हैं। सभी मामलों में जांच जारी है।

बाबर के नाम पर मस्जिद बनाने वालों का अंत निश्चित : केशवप्रसाद मौर्य

झांसी। केंद्र सरकार और उत्तर सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करने व एसआईआर की प्रगति पर जानकारी लेने आए उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री ने अखिलेश पर निशाना साधते हुए कहा कि जब लोक सभा में उत्तर प्रदेश में इनकी सीट बढ़ी तो लाल टोपी और सपा समर्थक जाली टोपी दिखाई देने लगी थी, लेकिन जैसे ही बिहार चुनाव हारने के बाद लाल टोपी और उसकी सहयोगी जाली टोपी दोनों गायब हो गए।

उन्होंने अखिलेश यादव द्वारा एसआईआर को लेकर लगाए गए आरोपों पर कहा कि बिहार चुनाव हारने के बाद अखिलेश का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। उन्होंने कहा कि अखिलेश का बिहार चुनाव हारने के बाद मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। वह लगातार उल्टे-सीधे जबाव दे रहे हैं। लोकसभा चुनाव में उन्होंने कुछ सीट ज्यादा जीत ली थी। उससे उन्हें लगा कि वह उत्तर प्रदेश में सरकार बनाएंगे, लेकिन बिहार चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत ने उनकी नींद हराम कर दी है। अखिलेश को एहसास हो गया कि 2047 तक सत्ता तो छोड़ो विपक्ष में रहने लायक जनता समर्थन नहीं देगी। उन्होंने कहा कि बिहार के चुनाव ने अखिलेश की राजनीति का अंत कर दिया और सपा का सूर्य अस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि जब उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव में एक्सीडेंटली सपा की सीट ज्यादा आई तो अखिलेश को लगा कि उप्र में सरकार बनाएंगे। उन्होंने बिहार में भाषण दिया कि अवध जीतकर आए हैं अब मगध भी जीतेंगे। लेकिन बिहार की जनता ने भाजपा को आशीर्वाद देकर उनके मुंगेरी लाल के हसीन सपने ध्वस्त कर दिए। लोकसभा के बाद लाल टोपी और सपा को समर्थन करने वाली जाली टोपी दिखाई देने लगी थी लेकिन अब बिहार चुनाव का परिणाम आने के बाद दोनों ही दिखाई नहीं पड़ रहे। उन्होंने कहा कि अखिलेश उल्टे-सीधे बयान देकर हंसी का पात्र बन रहे हैं। 2026 में बंगाल में भाजपा की सरकार बन रही है। उन्होंने बाबरी मस्जिद पर कहा कि वह मस्जिद बनाने का विरोध नहीं करते लेकिन बाबर के नाम से कोई मस्जिद बनाएगा तो उसका अंत हो जाएगा। कफ सीरप प्रकरण पर कहा कि जांच चल रही है दोषियों को सजा मिलेगी। उन्होंने एक सवाल के जवाब में यह भी कहा कि जो निशाना साध रहे हैं वे लगातार निशाने पर हैं। किसी भी क्षेत्र में भ्रष्टाचार, गुंडाराज,व माफियागिरी सपा के नाम पेटेंट है। इससे पूर्व रविवार को झांसी आए उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सर्किट हाउस पहुंच कर विभागीय अफसरों और उसके बाद भाजपा के पदाधिकारियों, जन प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि देश में नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की डबल इंजन की सरकार द्वारा लगातार बुंदेलखंड के विकास पर कार्य किया जा रहा है। डबल इंजन की सरकार द्वारा गरीब, कल्याण कारी, किसान, महिला आदि योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। इसके बाद समीक्षा में निर्णय लिया गया कि उत्तर प्रदेश में एक समूह बनाकर तीन करोड़ महिलाओं को जोड़ा जाएगा। उसी में एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का निर्णय लिया गया है। साथ ही निर्णय लिया गया कोई भी परिवार आवास सुविधा से वंचित न रहे, गरीबों को अधिक से अधिक लाभ मिले। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड के विकास पर डबल इंजन की सरकार का सबसे ज्यादा फोकस है। महिलाओं को सम्मान मिले। कानून व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रहे।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग मतदाता सूची में शुद्धिकरण कर रहा है। भाजपा उसका स्वागत करती है और मतदाता सूची में शुद्धिकरण में सहयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची शुद्धि करण होने के बाद जो बूथ लूट कर सत्ता प्राप्त कर प्रदेश लूटते थे उनका युग समाप्त हो जाएगा। मतदाता सूची शुद्धि करण के बाद विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश बनाने में सफलता मिलेगी। गरीब अमीर होगा, धनवान होगा। नौजवानों को रोजगार मिलेंगे, महिला सशक्तिकरण होगा। उन्होंने कहा कि अखिलेश को एसआईआर पर प्रश्नचिन्ह लगाने से पहले अध्ययन करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर उनके साथ महानगर अध्यक्ष सुधीर सिंह व जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल उपस्थित रहे।

साइकिलिंग प्रतियोगिता में शामिल होकर युवा खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने आया हूं : डॉ. दयाशंकर

वाराणसी। वाराणसी में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के परिसर में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ. दयाशंकर मिश्र ने फिट इंडिया अभियान के तहत आयोजित साइकिल प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर पर मंत्री डॉ. दयाशंकर ने

कहा कि साइकिलिंग प्रतियोगिता में शामिल होकर देशभर से आए युवा खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने आया हूँ। ऐसी प्रतियोगिता न केवल युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करती है बल्कि भारत को वैश्विक खेल मंच पर अग्रणी बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। डॉ. दयाशंकर मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से आज पूरा देश खेलों के नए युग की ओर अग्रसर है। इसके साथ ही यह हमारे लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि भारत को लंबे अंतराल के बाद पुनः कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी का अवसर प्राप्त हुआ है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में जब भारत ओलंपिक खेलों की मेजबानी करेगा, वह दिन भारतीय खेल जगत के लिए ऐतिहासिक और गौरवशाली होगा।

शादी समारोह में गोली लगने से दो नाबालिग लड़कों की मौत

एटा। जिले में एक शादी समारोह के दौरान गोली लगने से दो नाबालिग लड़कों की मौत हो गयी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि नया गांव थानाक्षेत्र के उमई असदनगर गांव में शनिवार रात को एक विवाह समारोह के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में गोलियां चलने से सोहेल (12) और शाहखद (17) गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस के मुताबिक, दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि शादी के दौरान डीजे बज रहा था और लोग नाच-गाने में व्यस्त थे लेकिन इस दौरान अचानक गोली चली। पुलिस के मुताबिक, प्रथम दृष्टया यह मामला हर्ष फायरिंग से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है हालांकि गोली चलने के कारणों और जिम्मेदार लोगों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस ने बताया कि मामले की गहन जांच और कार्यक्रम में मौजूद लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, जल्द ही गोली चलाने वाले व्यक्ति की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

कार का टायर फटाने से एक ही परिवार के 3 सदस्यों की मौत, दो घायल

गोंडा। जिले में रविवार को हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई तथा दो अन्य गंभीर रूप से जख्मी हो गये। पुलिस अधिकारियों ने यहां बताया कि आवास विकास कॉलोनी निवासी प्रमोद गुप्ता के बेटे नितिन की शादी में शामिल होने के लिए उनकी बेटी नेहा (28), दामाद अक्षत अग्रवाल (35), नाती अनाया (तीन), दामाद की मां नीता अग्रवाल (55) और साढू का बेटा आशू अग्रवाल (34) आए थे और कार्यक्रम में शामिल होकर वे सभी बेंगलूरू वापस जा रहे थे तथा बेटा नितिन सभी को छोड़ने के लिए कार से अयोध्या हवाई अड्डे जा रहा था।

उन्होंने बताया कि रास्ते में गोंडा-अयोध्या राजमार्ग पर वजीरगंज थाना क्षेत्र के अनभुला मोड़ के पास अचानक कार का टायर फट गया जिससे बेकाबू कार सामने से आ रही उत्तराखंड परिवहन की बस से टकरा गई। अधिकारियों के मुताबिक, हादसे में अक्षत, आशू और नीता की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पीछे बैठे तीन लोग दरवाजा टूटने पर बाहर गिर पड़े और आगे बैठे लोग दो एयरबैग के खुलने की वजह से बच गए।

नितिन और नेहा को गंभीर हालत में लखनऊ रेफर किया गया है तथा अनाया को मामूली चोटें आई हैं। गोंडा मेडिकल कॉलेज के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर डीएन सिंह ने बताया कि दो मरीज गंभीर हालत में लाए गए, जबकि तीन लोगों को मृत अवस्था में अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने बताया कि घायलों के परिजन चाहते थे कि उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर किया जाए इसलिए उन्हें लखनऊ भेज दिया गया। सिंह ने बताया कि तीनों शव पंचनामे के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेजे जाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे का संज्ञान लेते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही घायलों के बेहतर उपचार के भी निर्देश दिए। अपर पुलिस अधीक्षक राधेश्याम राय ने बताया कि पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार दो किशोरों की मौत

मऊ। जिले के हलधरपुर क्षेत्र में ट्रक से आगे निकलने की कोशिश के दौरान उसकी चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार दो किशोरों की मृत्यु हो गयी। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि हलधरपुर थाना क्षेत्र के मेवड़ी इलाके में शनिवार की रात करीब 12 बजे मोटरसाइकिल चालक आगे जा रहे ट्रक को 'ओवरटेक' करने की कोशिश की, तभी उसने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और उसकी गाड़ी गिर गयी। उन्होंने बताया कि मोटरसाइकिल सवार दोनों युवक जमीन पर गिर गये और ट्रक का पिछला पहिया उन पर चढ़ गया। इस घटना में दोनों की मौके पर ही मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान आदर्श गुप्ता (17) और उसके दोस्त राजेश गुप्ता (18) के रूप में हुई है। दोनों मेवाड़ी गांव के रहने वाले थे और वे जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों शव पोस्टमार्टम के लिये भेज दिये हैं।

चार माह के बच्चे को घर से उठा ले गया भेड़िया, तलाश जारी

बहराइच। जिले की कैसरगंज तहसील स्थित मल्लहनपुरवा गांव में एक घर में संदिग्ध रूप से घुसा भेड़िया चार माह के एक बच्चे को उठा ले गया। वन विभाग की टीमें ड्रोन कैमरे की मदद से तलाश अभियान चला रही हैं मगर अब तक ना तो बच्चे का कुछ पता लगा है ना ही भेड़िया नजर आया है। पिछले नौ दिनों में इसी मल्लहनपुरवा गांव में भेड़िये के तीन हमले हो चुके हैं।

पिछली 28 नवंबर को भेड़िये के हमले में पांच साल के लड़के की मौत हो गयी थी। वहीं, विगत पांच दिसंबर को भेड़िये ने पांच वर्षीय बच्ची को घायल किया था। ग्रामीणों के मुताबिक मल्लहनपुरवा गांव निवासी संतोष का चार माह का बेटा सुभाष छह/सात दिसम्बर की दरमियानी रात अपनी मां के साथ घर में सो रहा था और रात करीब डेढ़ बजे भेड़िया चुपचाप घर में घुसा और सुभाष को मां की गोद से अपने जबड़े में दबोचा और भाग गया। ग्रामीणों ने पीछा किया लेकिन भेड़िया बच्चे को लेकर ओझल हो गया।

प्रभागीय वन अधिकारी राम सिंह यादव ने बताया कि संतोष के चार माह के पुत्र सुभाष को वन्यजीव द्वारा रात करीब डेढ़ बजे उठाकर जे जाने की सूचना मिली थी और सूचना मिलते ही गांव में पहले से तैनात वन विभाग की टीमों ने ड्रोन व अन्य तरीकों से खोज अभियाल शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि नदी के किनारे और गन्ने के खेतों में जहां-जहां वन्यजीव के होने की सूचना मिल रही है, वहां हमारी टीमें पहुंच कर तलाश में लगी हैं। अधिकारी ने बताया कि टीम में प्रशिक्षित शूटर भी शामिल हैं और शीघ्र ही हमलावर जीव को या तो पकड़ लिया जाएगा अथवा उसे गोली मार दी जाएगी। बहराइच जिले के कुछ गांवों में इसी साल नौ सितम्बर से अबतक भेड़ियों के हमलों में आठ बच्चों व एक बुजुर्ग दम्पत्ति सहित 10 लोगों की मौत हो चुकी है तथा 32 अन्य घायल हुए हैं।

गत 27 सितंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हवाई सर्वेक्षण कर भेड़िये को पकड़ने और नहीं पकड़े जा पाने पर उसे गोली मारने के निर्देश दिये थे। उसके बाद से अब तक चार भेड़िये मारे जा चुके हैं।

सेना को गैर राजनीतिक व सम्प्रदाय होना जरूरी : लेफ्टिनेंट जनरल

लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कटियार ने किया राजपूत रेजिमेंट का दौरा

फर्रुखाबाद। सेना को गैर राजनीतिक व सम्प्रदाय रहना बहुत जरूरी है। यह बात रविवार को उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जनपद में लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने कही। श्री कटियार राजपूत रेजिमेंट के एक दिवसीय दौरे पर यहां आए थे। उन्होंने सेना के प्रशिक्षण आधुनिकीकरण की विस्तृत जानकारी ली।

लेफ्टिनेंट कर्नल ने राजपूत रेजिमेंट में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने दुश्मन को करारी शिकस्त दी है। जिन्होंने घटना को अंजाम दिया, उन्हें ही मारा और जिन्होंने योजना बनाई उनके शिविरों को नष्ट कर उन्हें भी मार गिराया। श्री कटियार ने राजपूत रेजिमेंट की तारीफ करते हुए कहा कि राजपूत रेजिमेंट भारत की सेना का अहम हिस्सा है। राजपूत रेजिमेंट के जवानों ने सिक्योरिटी के साथ खेलो में भी नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि सेना को चीन समेत अन्य सभी पड़ोसी मुल्कों से सावधान रहने की जरूरत है। चीन और पाकिस्तान दोनों देशों से खतरा बरकरार है। सेना को ऑपरेशन एक्ससरसाइज जारी रखनी चाहिए। सेना को चीन से ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है। पहलगांव दोषियों को सेना ने सबक सिखाया है। सेना को ड्रोन वार के लिए तैयार रहना चाहिए।

पहले मासूम बेटी को पिलाया, फिर मां ने खुद पी लिया कीटनाशक, ट्रॉमा सेंटर में दोनों की मौत

मीरजापुर। जिले के विंध्याचल थाना क्षेत्र के तिलई मौआर गांव में शनिवार शाम दर्दनाक घटना हो गई। एक मां ने पहले बेटी को कीटनाशक पिलाया और फिर खुद पी लिया। उपचार के दौरान मां -बेटी ने वाराणसी ट्रॉमा सेंटर में रात करीब 11 बजे दम तोड़ दिया। घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मौआर गांव निवासी रंजना देवी (38) पत्नी बालेंद्र पटेल ने शनिवार शाम पहले अपनी छह वर्षीया बेटी आस्था को कीटनाशक दवा पिला दी। उस समय 12 वर्षीया बड़ी बेटी अतिस्था घर में मौजूद थी। बच्ची के अनुसार, मां ने उसे भी ग्लूकोज बताकर वही घोल पीने के लिए मजबूर किया, लेकिन वह डरकर भाग निकली। भागते-भागते उसने देखा कि मां ने भी कीटनाशक पी लिया है। अतिस्था रोते हुए करीब पांच सौ मीटर दूर तालाब के पास अपने बड़े पिताजी मटर पटेल के पास पहुंची और घटना की जानकारी दी। परिजन जब घर पहुंचे तो देखा कि रंजना और छोटी बच्ची आस्था के मुंह से झाग निकल रहा था।

तुरंत उन्हें पीएचसी सर्रोई ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया। वहां भी स्थिति नाजुक होने पर दोनों को वाराणसी ट्रॉमा सेंटर भेजा गया, जहां बीती रात मां-बेटी ने दम तोड़ दिया। परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतका दो बेटियों की मां थी। बड़ी बेटी अतिस्था के अनुसार, पिता बालेंद्र पटेल 29 नवंबर को सूरत, गुजरात चले गए थे। बच्ची ने दबी जुबान में बताया कि कुछ समय से माता-पिता के बीच अनबन चल रही थी।

थाना प्रभारी वेदप्रकाश पांडेय ने बताया कि कीटनाशक पीने से मां-बेटी की मौत की सूचना मिली है। परिवारजन मृतका के पति का इंतजार कर रहे हैं, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मां-बेटे का शव घर में मिला ज़हर से मौत का अंदेशा

कौशांबी। कड़ा धाम थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक घर से रविवार दोपहर संदिग्ध परिस्थितियों में मां-बेटे का शव बरामद किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, कड़ा धाम थाना क्षेत्र के बारा हवेली खालसा गांव के विजय मिश्रा उर्फ मकरध्वज (55) व उसकी मां मौला देवी (75) के शव घर में अलग-अलग चारपाई पर पड़े मिले।

पड़ोसियों ने बताया कि विजय मिश्रा की पत्नी नीता देवी बेटे नंदू के साथ अपने मायके गई हुई थी और मिश्रा व उसकी मां मौला देवी घर पर अकेले थे तथा दोपहर तक मां-बेटे घर से बाहर नहीं निकले तो पड़ोसियों को संदेह हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। एएसपी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी (सीओ) सिराथू सत्येंद्र तिवारी और कड़ा धाम थाना प्रभारी त्रिलोकी नाथ पांडे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तथा पुलिसकर्मी सीढ़ी के सहारे दीवार फांदकर घर के अंदर दाखिल हुए तो मां बेटे के शव अलग-अलग चारपाइयों पर पड़े थे। उन्होंने बताया कि शवों को देखकर लगता है कि दोनों ने मरने से पहले उल्टी भी की थी। सिंह के मुताबिक, घर का दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एएसपी ने बताया कि प्रथम दृष्टया दोनों की मौत जहरीला पदार्थ खाने से हुई प्रतीत होती है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो पाएगा। उन्होंने कहा कि मामले की जांच तथा अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है और विजय की पत्नी को घटना की सूचना दे दी गई है।

भाजपा सरकार की नाकामी है इंडिगो संकट : अजय राय

कानपुर। डीजीसीए केंद्र सरकार के अधीन है, इसका मतलब भाजपा सरकार फेल है। पूरे एयरलाइंस के इतिहास में इतना बड़ा संकट कभी नहीं आया। केवल इंडिगो को एयरलाइंस में 64 से 65 प्रतिशत हिस्सेदारी दे रखी है। इंडिगो ने ऐसा जानबूझकर किया है, जिससे कि नियमों में परिवर्तन किया जाए। यह बातें रविवार को कानपुर पहुंचे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कही।

पूर्व केंद्रीय मंत्री व कानपुर के तीन बार सांसद रहे श्रीप्रकाश जायसवाल के निधन के बाद आज कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय कानपुर पहुंचे। लाल बंगला पोखरपुर स्थित श्रीप्रकाश जायसवाल निवास पहुंचकर उनकी फोटो पर फूल माला चढ़कर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि श्रीप्रकाश पार्टी के वरिष्ठ नेता थे। उनका इस तरह से चले जाना पार्टी ही नहीं भारतीय राजनीति के लिए एक बड़ी क्षति है, जिसे अब पूरा कर पाना बमुश्किल है। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने मौजूदा सरकार को जमकर कोसा।

उन्होंने कहा कि देशभर में इंडिगो एयरलाइंस द्वारा की मनमानी की वजह से जो अव्यवस्थाएं फैली हैं। वह एक रणनीति के तहत की गई हैं। जिससे हजारों लोगों को दिक्कत में सामना उठाना पड़ रहा है। फ्लाइटें रद्द होने की वजह से कोई अपने बुजुर्गों की अस्थियां विसर्जित नहीं कर पाए, तो कोई दूल्हा-दुल्हन अपने रिसेप्शन में ही शामिल नहीं हो सके। आखिरकार यह कैसी व्यवस्था है।

एसआईआर पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि ड्यूटी पर लगे बीएलओ पर अनावश्यक तरीके से दबाव बनाया जा रहा है। जिस वजह से वह लोग आत्महत्या कर रहे हैं। इससे पहले भी यह प्रक्रिया निभाई जा चुकी है। इसलिए जल्दबाजी न करते हुए करीब छह महीने का समय देना चाहिए। जिससे कि सभी लोग आसानी से इसे पूरा कर सकें। इसके अलावा हमारी मांग है कि मृतक के परिजनों को सरकारी नौकरी व एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता भी प्रदान की जाए।

उत्तराखंड महोत्सव के आयोजन को लेकर किया गया भूमिपूजन

गाजियाबाद। पर्वतीय प्रवासी जन कल्याण समिति इंदिरापुरम द्वारा हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी एक बहुत बड़ा भव्य उत्तराखंड महोत्सव का आयोजन करने जा रही है, इस वर्ष समिति द्वारा पांच दिवसीय कार्यक्रम आयोजन किया जा रहा है। जिसके चलते रविवार को भव्य श्री राम जी शोभा यात्रा मंगल चौक शक्ति खंड इंदिरापुरम से निकाली गई। जो इंदिरापुरम के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए आयोजन स्थल शिप्रा मॉल मैदान इंदिरापुरम में सम्पन्न होंगी। जहां उत्तराखंड महोत्सव को लेकर भूमिपूजन किया गया। भूमिपूजन के दौरान समिति के अध्यक्ष सागर रावत, संरक्षक विजय रावत सहित समिति के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

बच्चा बदलने को लेकर परिजनों का हंगामा, डीएनए टेस्ट करने की मांग

प्रतापगढ़। मेडिकल कॉलेज स्थित महिला अस्पताल में बच्चा बदलने का आरोप लगाते हुए शनिवार देर रात को परिजनों ने अस्पताल में कई घंटे हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल के स्टॉफ ने प्रसूता को जीवित बच्चे के बजाय मृत बच्ची का शव सौंप दिया । पुलिस ने परिजनों को समझा कर शांत किया।

अचलपुर निवासी अभिषेक की पत्नी आंचल को प्रसव पीड़ा के बाद अस्पताल में भर्ती कराया था। शनिवार को ऑपरेशन के जरिए महिला ने बच्चे को जन्म दिया। स्टॉफ ने जन्म के बाद बच्चे की हालत गंभीर बताकर उसे विशेष नवजात देखभाल इकाई (एसएनसीयू) में भर्ती कर दिया। परिजनों का आरोप है कि बाद में अस्पताल स्टॉफ ने उनके जीवित बच्चे को बदलकर उन्हें एक मृत बच्ची का शव सौंप दिया। इससे परिजनों में भारी आक्रोश फैल गया और हंगामा करने लगे। जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को शांत कराया। परिजनों ने मामले की सच्चाई जानने और अस्पताल स्टॉफ के खिलाफ कार्रवाई के लिए डीएनए जांच की मांग की है।

इस प्रकरण में सीएमएस डॉक्टर रमेश तिवारी का कहना है कि आंचल नाम की दो मरीज अस्पताल में भर्ती थी। पहली आंचल को चार दिन पूर्व मेल चाइल्ड हुआ था, जबकि जिस महिला आंचल के परिजनों ने बच्चा बदलने का आरोप लगाया है, उनका फीमेल चाइल्ड शनिवार दोपहर में पैदा हुआ। ऑपरेशन के बाद बच्चे की तबीयत बिगड़ने पर मौत हो गई थी । बच्चा बदलने के आरोप पूरी तरह से निराधार हैं। उन्होंने बताया कि परिजनों की शिकायतों की जांच की जा रही है।

स्मिथ के शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया दूसरा टेस्ट जीता, एशेज श्रृंखला में 2-0 की बढ़त हासिल की

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां दूसरे टेस्ट के चौथे दिन जीत के लिए 65 रन का लक्ष्य महज 10 ओवर में हासिल करते हुए इंग्लैंड को आठ विकेट से हराकर एशेज श्रृंखला में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। चौथा दिन दोनों टीम के कप्तान के इर्द गिर्द रहा। इंग्लैंड ने जहां बेन स्टोक्स (50 रन) के अर्धशतक से दूसरी पारी में 241 रन बनाए।

वहीं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने एक शानदार कैच लेकर मैच का रुख बदला और फिर विजयी रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को श्रृंखला में आगे किया। ऑस्ट्रेलिया ने 10 ओवर में दो विकेट पर 69 रन बनाकर जीत दर्ज की जिसमें स्मिथ ने जोफ्रा आर्चर के एक बाउंसर से बचने के बाद उन्हें और तेज गेंदबाजी करने को कहा। फिर उन्होंने बाउंड्री लगाकर अगली गेंद पर छक्का जड़ा और गाबा में 1,000 टेस्ट रन पूरे किए। ऑस्ट्रेलियाई टीम तब दो विकेट पर 63 रन पर थी और जीतने के लिए सिर्फ दो रन चाहिए थे तो स्मिथ ने छक्का लगाकर मैच खत्म किया। वह नौ गेंद पर 23 रन बनाकर नाबाद रहे। जेक वेदरल्ड 17 रन बनाकर नाबाद रहे। गस एटकिंसन ने ट्रेविस हेड (22) और मार्नस लाबुशेन (3) के विकेट लिए। इंग्लैंड की हार के लिए कुछ रणनीतिक मुद्दे जिम्मेदार रहे जिसमें गेंदबाजी आक्रमण की लगातार सही लेंथ पर गेंदबाजी करने में विफलता, कैच छोड़ने तथा फिर से तेजी से खेलते हुए रन बनाने की कोशिश में विकेट गंवाने के लिए टीम की काफी आलोचना हुई है।

स्टोक्स ने हालांकि संयम से खेलते हुए इंग्लैंड को बढ़त दिलाई लेकिन यह बहुत कम थी। इंग्लैंड के कप्तान ने 'बैजबॉल' की आक्रामक प्रवृत्ति पर अंकुश लगाते हुए टीम की एशेज संभावनाओं को फिर से जीवित करने की कोशिश की। इंग्लैंड ने सुबह छह विकेट पर 134 रन से आगे खेलना शुरू किया। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने कसी लाइन एवं लेंथ में गेंदबाजी की ताकि इंग्लैंड के बल्लेबाजों को शॉट खेलने के लिए उकसाया जा सके। स्टोक्स और विल जैक्स (41) ने पहले सत्र में कोई विकेट नहीं गिरने दिया। यह इंग्लैंड की हमेशा हर कीमत पर आक्रामक खेलने वाली मानसिकता से बिल्कुल अलग तरीका था क्योंकि इसकी पहले काफी आलोचना हुई थी। सातवें विकेट की जोड़ी ने 96 रन की भागीदारी करके इंग्लैंड को अगले सत्र के करीब पहुंचा दिया। यही लय बदलने वाला पल था। इसके बाद विकेट जल्दी-जल्दी गिरने लगे। इंग्लैंड ने 17 रन पर चार विकेट गंवा दिए और दूसरी पारी में 241 रन पर ऑल आउट हो गई। माइकल नेसर ने पांच विकेट लिए।

स्टोक्स ने 148 गेंद में अपने 50 रन पूरे किए जो उनके करियर का दूसरा सबसे धीमा अर्धशतक था। ऑस्ट्रेलिया ने श्रृंखला का पहला टेस्ट दूसरे दिन ही जीत लिया था। दूसरा टेस्ट कम से कम चौथे दिन तक चला। अब तीसरा टेस्ट 17 दिसंबर से एडिलेड ओवल में शुरू होगा और एशेज वापस पाने के लिए इंग्लैंड को जीत की जरूरत है। चौथा टेस्ट 'बॉक्सिंग डे' पर मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में शुरू होगा और सिडनी चार जनवरी से पांचवें टेस्ट की मेजबानी करेगा।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने प्रतीका रावल के लिए 1.5 करोड़ रुपये के पुरस्कार की घोषणा की

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को महिला क्रिकेटर प्रतीका रावल से अपने आवास पर मुलाकात की और दिल्ली सरकार की ओर से उन्हें 1.5 करोड़ रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की।

रावल ने हाल में समाप्त हुए आईसीसी महिला वनडे विश्व कप में 308 रन बनाए। वह लौरा वोल्वार्ड्ट (571), स्मृति मंधाना (434) और एशले गार्डनर (328) के बाद सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में चौथे स्थान पर थीं। दिल्ली की यह क्रिकेटर बांग्लादेश के खिलाफ अंतिम ग्रुप लीग मैच के दौरान चोटिल हो गई थी, जिसके कारण वह सेमीफाइनल और फाइनल में नहीं खेल सकी थी। भारत ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार आईसीसी खिताब जीता।

गुप्ता ने एक पोस्ट में कहा, ''आज मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में हमने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी प्रतीका रावल का स्वागत किया। हमारी प्रतिभाशाली बेटी प्रतीका ने दिल्ली को गौरवान्वित किया है। खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली सरकार उन्हें 1.5 करोड़ रुपये का पुरस्कार देगी।'' इस अवसर पर दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद और दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष रोहन जेटली भी उपस्थित थे।

मुलर पर भारी पड़े मेस्सी, इंटर मियामी को पहला एमएलएस कप खिताब दिलाया

फोर्ट लॉडरडेल। थॉमस मुलर ने लियोनेल मेस्सी के साथ लंबे समय से चली आ रही अपनी प्रतिद्वंद्विता में अक्सर बाजी मारी है लेकिन मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) कप फुटबॉल प्रतियोगिता के शनिवार को खेले गए फाइनल में अर्जेंटीना की स्टार की तूती बोली।

मुलर और मेस्सी के बीच हुए 10 मुकाबलों में से जर्मनी के स्टार ने सात में जीत हासिल की है। मुलर की मौजूदगी में जर्मन टीम ने विश्व कप में दो बार मेस्सी और अर्जेंटीना को बाहर किया है। लेकिन शनिवार को अर्जेन्टीना के सुपर स्टार ने इंटर मियामी को एमएलएस कप फाइनल में मुलर की वैंकूवर व्हाइटकैप्स पर 3-1 से जीत दिलाई। इस तरह से मेस्सी ने अपने करियर की 47वीं ट्रॉफी के साथ अपने तीसरे मेजर लीग सॉकर सत्र का समापन किया। मेस्सी ने मैच के बाद कहा, ''तीन साल पहले मैंने एमएलएस में आने का फैसला किया और आज हम एमएलएस चैंपियन हैं। पिछले साल हम लीग में जल्दी बाहर हो गए थे लेकिन इस साल एमएलएस जीतना हमारा मुख्य लक्ष्य था।'' मेस्सी ने 72वें मिनट में रोड्रिगो डी पॉल को गेंद देकर गोल करने में मदद की। इसके बाद उन्होंने स्टॉपेज टाइम में एक और गोल करने में योगदान देकर इंटर मियामी को फ्रैंचाइजी इतिहास में पहली बार चैंपियनशिप दिलाई।

स्मृति मंधाना ने पुष्टि की 'शादी रद्द कर दी गई है', निजता का सम्मान करने की अपील की

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने अपनी जिंदगी को लेकर पिछले कुछ सप्ताह से चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए रविवार को पुष्टि की कि संगीतकार पलाश मुछाल के साथ उनकी शादी ''रद्द'' कर दी गई है। उन्होंने प्रशंसकों और मीडिया से दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करने का आग्रह किया है।

भारत की सबसे प्रमुख महिला क्रिकेटरों में से एक मंधाना ने पिछले महीने अपनी निजी जिंदगी को लेकर अफवाह तेज होने के बाद सोशल मीडिया पर अपना पहला सार्वजनिक बयान जारी किया। मंधाना ने लिखा, ''मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि शादी रद्द कर दी गई है। मैं इस मामले को यहीं समाप्त करना चाहती हूं और आप सभी से भी ऐसा करने का अनुरोध करती हूं।'' मंधाना की 23 नवंबर को मुछाल से शादी होने वाली थी, लेकिन इस स्टार क्रिकेटर के पिता श्रीनिवास को दिल से जुड़ी बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था जिसके कारण शादी स्थगित कर दी गई थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा, ''पिछले कुछ सप्ताह से मेरी निजी जिंदगी को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं और मुझे लगता है कि इस समय मेरे लिए खुलकर अपनी बात रखना महत्वपूर्ण है।'' खुद को एक ''बेहद निजी इंसान'' करार देते हुए मंधाना ने कहा कि चीजों को स्पष्ट करने की जरूरत के कारण उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने प्रशंसकों और जनता से अनुरोध किया कि वे ''दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करें'' और उन्हें ''इससे निपटने और आगे बढ़ने के लिए जगह दें।''

भारत के आगामी अंतरराष्ट्रीय सत्र की तैयारी कर रही मंधाना ने कहा कि उनका ध्यान पूरी तरह से क्रिकेट पर है। उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि हम सभी का (जीवन में) एक बड़ा उद्देश्य होता है और मेरे लिए वह उद्देश्य हमेशा अपने देश का सर्वोच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व करना रहा है। मुझे उम्मीद है कि मैं यथासंभव लंबे समय तक भारत के लिए खेलती रहूंगी और ट्राफियां जीतती रहूंगी।'' गायिका पलक मुछाल ने कुछ दिन पहले इस मुद्दे पर बात की थी जिसके बाद अब मंधाना का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि दोनों परिवारों ने बहुत मुश्किल समय का सामना किया है। जैसा आपने अभी कहा, मैं बस यही दोहराना चाहती हूं कि हम इस समय सकारात्मक होकर आगे बढ़ना चाहते हैं। हम जितना हो सके उतना सकारात्मक बने रहना चाहते हैं। हम मजबूत बने रहने की भी कोशिश कर रहे हैं।'' यह दोनों बयान इस विषय को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं और और असत्यापित रिपोर्टों की पृष्ठभूमि में आए हैं। यही वजह थी कि उन्हें अटकलों पर विराम लगाने के लिए आगे आना पड़ा है।

पिछले लगभग एक दशक से भारतीय महिला क्रिकेट टीम की मुख्य सदस्य रही 28 वर्षीय मंधाना बेहतरीन बल्लेबाज हैं और खेल के प्रत्येक प्रारूप में उनके बल्लेबाजी काफी मायने रखती है। भारतीय महिला टीम का 2026 का कार्यक्रम काफी व्यस्त है और बाएं हाथ की इस खिलाड़ी ने दोहराया कि उनकी पेशेवर प्रतिबद्धताएं उनके लिए प्राथमिकता बनी रहेंगी। मंधाना ने अपने बयान के आखिर में लिखा, ''आप सभी के समर्थन के लिए आभार। अब आगे बढ़ने का समय आ गया है।''

कारोबार

शीर्ष 10 में पांच कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 72,285 करोड़ रुपये बढ़ा

नई दिल्ली। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में पांच का कुल बाजार मूल्यांकन पिछले हफ्ते 72,284.74 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इंफोसिस को सबसे अधिक लाभ हुआ।

इस दौरान भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन बढ़ा, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लार्सन एंड टुब्रो और एलआईसी में गिरावट हुई।

पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स महज 5.7 अंक चढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी 16.5 अंक गिरा। इस दौरान टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 35,909.52 करोड़ रुपये बढ़कर 11,71,862.37 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का मूल्यांकन 23,404.55 करोड़ रुपये बढ़कर 6,71,366.53 करोड़ रुपये हो गया। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 6,720.28 करोड़ रुपये बढ़कर 6,52,396.39 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का मूल्यांकन 3,791.9 करोड़ रुपये बढ़कर 12,01,832.74 करोड़ रुपये हो गया। दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 35,116.76 करोड़ रुपये घटकर 20,85,218.71 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है।

विदेशी निवेशकों ने दिसंबर के पहले हफ्ते में 11,820 करोड़ रुपये निकाले

नई दिल्ली। इस महीने के पहले हफ्ते में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजारों से 11,820 करोड़ रुपये निकाले। इसका मुख्य कारण रुपये का तेज अवमूल्यन है। नवंबर में 3,765 करोड़ रुपये की निकासी के बाद ये तेज बिकवाली हुई है और इससे बाजार पर दबाव बढ़ा है। विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में 14,610 करोड़ रुपये की लिवाली की थी, जिससे तीन महीने की भारी बिकवाली का सिलसिला टूटा। सितंबर में 23,885 करोड़ रुपये, अगस्त में 34,990 करोड़ रुपये और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये निकाले गए थे। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार इस महीने के पहले हफ्ते में एफपीआई ने इक्विटी से 11,820 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। इससे 2025 में कुल निकासी 1.55 लाख करोड़ रुपये हो गई। विश्लेषकों के अनुसार ताजा बिकवाली का मुख्य कारण मुद्रा संबंधी चिंताएं हैं। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि इस साल रुपया करीब पांच प्रतिशत कमजोर हुआ है, जिस वजह से एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं। हालांकि एफपीआई की निकासी के बावजूद घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की मजबूत खरीदारी से बाजार को सहारा मिला। इसी अवधि में डीआईआई ने 19,783 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सीएट की वैश्विक बाजार पर नजर, विभिन्न देशों की जरूरतों के लिए टायर बना रही

नई दिल्ली। टायर बनाने वाली कंपनी सीएट विभिन्न वैश्विक बाजारों के लिए खास तौर से टायर बना रही है, ताकि यूरोप और अमेरिका जैसे क्षेत्रों में निर्यात बढ़ाया और खुद को वैश्विक ब्रांड बनाया जा सके। आरपीजी समूह के वाइस चेयरमैन अनंत गोयनका ने यह बात कही। आरपीजी समूह की इस कंपनी की कुल आय में निर्यात की 20 प्रतिशत हिस्सेदारी है और आने वाले कुछ सालों में ये हिस्सा बढ़ने की उम्मीद है।

गोयनका ने कहा, "हम अंतरराष्ट्रीय वृद्धि पर बहुत ध्यान दे रहे हैं – अमेरिका में वृद्धि, यूरोप में वृद्धि। हमारा लक्ष्य वैश्विक ब्रांड बनना है। हम अक्सर कहते हैं कि भारतीय उद्योग ब्रांड बनाने और वैश्विक वृद्धि में और ज्यादा निवेश कर सकते हैं। ये हमारे लिए एक प्रमुख क्षेत्र है।" उन्होंने बताया कि कंपनी किसी क्षेत्र की खास जरूरतों के हिसाब से टायर बना रही है। गोयनका ने कहा, "इटली में ग्राहक को क्या चाहिए, स्पेन में क्या चाहिए – हम उस खास बाजार के लिए पूरी श्रृंखला विकसित कर रहे हैं।" कंपनी नॉर्डिक क्षेत्र, जर्मनी और अलग-अलग जगहों पर टायर का परीक्षण कर रही है। उन्होंने कहा, "हम सड़क की खास स्थिति के लिए टायर बनाते हैं। पश्चिम एशिया में ज्यादातर सीधी सड़कें हैं। यूरोप में घुमावदार सड़कें हैं। अमेरिका में सीधी सड़कें हैं।

मौसम भी अलग-अलग है, इसलिए इन सबको ध्यान में रखकर टायर बनाना पड़ता है।" गोयनका ने कहा कि कंपनी भविष्य की वृद्धि को लेकर बहुत आशावादी है। उन्होंने कहा, "हमें क्षमता की कमी महसूस हो रही है। हमारी 60 प्रतिशत बिक्री पुराने टायरों को बदलने के लिए की जाने वाली खरीद से आती है। हम 20 प्रतिशत बिक्री अंतरराष्ट्रीय बाजार में और 20-25 प्रतिशत बिक्री ओईएम को करते हैं। सभी क्षेत्र सकारात्मक दिख रहे हैं।" उन्होंने कहा कि घरेलू टायर उद्योग का भविष्य कुल मिलाकर सकारात्मक है।

संक्षिप्त खबरें

नाल्को जून 2026 तक पोटांगी बॉक्साइट खदान शुरू करने की तैयारी में

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की नेशनल एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) अगले साल जून तक ओडिशा में अपनी पोटांगी बॉक्साइट खदान शुरू करने की योजना बना रही है। इससे कंपनी को खनन क्षमता बढ़ाने और एकीकृत एल्यूमिनियम कारोबार के विस्तार का लक्ष्य पूरा करने में मदद मिलेगी। पोटांगी बॉक्साइट खदान के विकास और संचालन के लिए दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड एल-1 बोलीदाता चुनी गई है। नाल्को के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा, "हमारा लक्ष्य है कि अगले साल जून तक खदान शुरू हो जाएगी।" कंपनी ओडिशा के कोरापुट जिले में दामनजोडी रिफाइनरी में एल्यूमिना उत्पादन क्षमता बढ़ाने जा रही है। नाल्को अभी इस जगह पर 22.75 लाख टन सालाना क्षमता वाली एल्यूमिना रिफाइनरी चला रही है। इस विस्तार के लिए ओडिशा सरकार ने कोरापुट जिले में पोटांगी बॉक्साइट भंडार के लिए नाल्को को खनन पट्टा दिया है। ये पट्टा 697.979 हेक्टेयर क्षेत्र में है और 50 साल के लिए वैध है। इससे बढ़ी हुई एल्यूमिना उत्पादन के लिए कच्चे माल की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित होगी। सीएमडी ने आगे कहा कि पोटांगी से उत्पादन शुरू होने तक या अगर इसमें कुछ महीने की देरी हुई तो वैकल्पिक स्रोत से बॉक्साइट की आपूर्ति होगी। बढ़ी हुई रिफाइनरी क्षमता के लिए बॉक्साइट की कमी नहीं होगी।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने खुदरा ऋण दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती की

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने रविवार को रेपो से जुड़ी उधारी दर (आरएलएलआर) से जुड़े ऋणों में 0.25 प्रतिशत की कटौती करने की घोषणा की है। इससे घर, वाहन और शिक्षा सहित अन्य ऋण सस्ते हो जाएंगे। भारतीय रिजर्व बैंक के रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती करने के बाद यह फैसला किया गया। बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने एक बयान में कहा कि शनिवार से प्रभावी संशोधन के साथ बैंक का आवास ऋण 7.10 प्रतिशत ब्याज दर से और कार ऋण 7.45 प्रतिशत से शुरू होगा, जो बैंकिंग उद्योग में सबसे कम है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति ने शुक्रवार को रेपो दर को 0.25 प्रतिशत घटाकर 5.25 प्रतिशत कर दिया और तटस्थ रुख बरकरार रखा, जिससे आगे दर में कटौती की गुंजाइश बनी हुई है। बीओएम ने कहा, "बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती से ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ वित्तीय समाधान उपलब्ध कराने और उनके सपनों को साकार करने की प्रतिबद्धता का पता चलता है। वर्तमान ऊंची ब्याज दरों के माहौल में बैंक खुदरा ऋणों को सस्ता करके ग्राहकों के चेहरों पर खुशी ला रहा है।

सरसों, मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट; सोयाबीन तेल-तिलहन, पाम-पामोलीन में सुधार

नई दिल्ली। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में जाड़े तथा शादी विवाह के मौसम की मांग के कारण सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम सुधार के साथ बंद हुए। दूसरी ओर ऊंचे दाम के कारण मांग प्रभावित रहने की वजह से सरसों तेल-तिलहन तथा लिवाली कमजोर रहने से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम गिरावट दर्शाते बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि बड़ी मिलों के पास सरसों का पर्याप्त स्टॉक है और वे विभिन्न रास्तों से सरसों के दाम में तेजी लाने पर जोर दे रहे हैं।

लेकिन सरसों के दाम ऊंचा होने की वजह से इसकी लिवाली प्रभावित है जिसके कारण बीते सप्ताह अपने पूर्व सप्ताहांत के मुकाबले सरसों तेल-तिलहन के दाम में गिरावट आई। उन्होंने कहा कि कई तेल समीक्षकों को सरसों के भाव की तेजी को लेकर चिंता जताते पाया जा सकता है लेकिन उन्हें सोयाबीन डीगम तेल के लागत से कम दाम पर बिकवाली की चिंता व्यक्त करते नहीं पाया जाता है जिसकी वजह से तेल-तिलहन उद्योग की पूरी कारोबारी धारणा प्रभावित हो रही है। सूत्रों ने कहा कि इन समीक्षकों को सोयाबीन का आयात घटने की तो चिंता हो रही है लेकिन आयात क्यों घटा है, इस बात की जानकारी सामने नहीं आती। उन्होंने कहा कि कुछ आयातकों के द्वारा बैंकों का कर्ज लौटाने की जल्दबाजी और बैंकों में अपना ऋण साखपत्र (एलसी) प्रचलन में रखने के लिए काफी लबे समय से लागत से 6-7 प्रतिशत नीचे दाम पर सोयाबीन डीगम तेल की बिक्री की जा रही है। लंबे समय से जारी घाटे के इस कारोबार की स्थिति को देखते हुए बाकी आयातकों ने आयात की मात्रा को घटाना शुरु कर दिया है। सोयाबीन का हाजिर दाम एमएसपी से लगभग 15-16 प्रतिशत नीचे चल रहा है। आयात कम होने के साथ सस्ता होने और शादी विवाह के मौसम की मांग बढ़ने से सोयाबीन तेल-तिलहन में बीते सप्ताह सुधार आया है। सूत्रों ने कहा कि मलेशिया में सट्टेबाजी के कारण बीते सप्ताह पाम-पामोलीन के दाम में भी सुधार दिखा। सट्टेबाज पाम-पामोलीन का दाम कभी घटाते हैं कभी बढ़ाते हैं। इन अनिश्चितता को देखते हुए देश में तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता का महत्व समझ में आता है। यह भी सच्चाई है कि भाव ऊंचा जरूर बोले जा रहे हैं पर मांग कमजोर बनी हुई है। सूत्रों ने कहा कि नमकीन बनाने वाली कंपनियों की औद्योगिक मांग बढ़ने से बीते सप्ताह बिनौला तेल के दाम में भी मामूली सुधार आया। बीते सप्ताह सरसों दाना 10 रुपये की गिरावट के साथ 7,100-7,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सरसों दादरी तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 14,650 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10-10 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,595 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 50-50 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 4,600-4,650 रुपये और 4,300-4,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी तरह, सोयाबीन दिल्ली तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 13,525 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 13,150 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 10,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली। मूंगफली तिलहन 275 रुपये की गिरावट के साथ 6,175-6,550 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात का थोक दाम 750 रुपये की गिरावट के साथ 14,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का थोक दाम 100 रुपये की गिरावट के साथ 2,370-2,670 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।

दूसरी ओर, समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 11,375 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपये के मामूली सुधार 13,150 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 50 रुपये के सुधार 12,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सुधार के आम रुख के अनुरूप, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल के दाम भी 25 रुपये के मामूली सुधार के साथ 12,575 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

शीतकालीन पुनर्भंडारण के कारण अक्टूबर में कोकिंग कोयले का आयात बढ़ा

नई दिल्ली। अक्टूबर में कोयले के आयात में गिरावट आई जबकि कोकिंग कोयले के आयात में वृद्धि हुई। कुल कोयला आयात में गिरावट का मुख्य कारण घरेलू बाजार में कोयले की अधिक उपलब्धता रही। वहीं, कोकिंग कोयले के आयात में 12% की वृद्धि हुई और यह अक्टूबर में 45 लाख टन से बढ़कर5 लाख टन हो गया। यह बढ़ोतरी मुख्यतः इस्पात उद्योग द्वारा सर्दियों में भंडारण बढ़ाने की गतिविधियों के कारण हुई। कोकिंग कोयला इस्पात उत्पादन के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में कुल कोयला आयात 3.9% घटकर 2.09 करोड़ टन रह गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 2.18 करोड़ टन था। विशेषज्ञों के अनुसार, इस्पात निर्माता आमतौर पर सर्दियों से पहले कोकिंग कोयले की खरीद बढ़ाते हैं, ताकि सर्दियों में उत्पादन निर्बाध रूप से जारी रह सके, जब परिवहन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में संभावित बाधाएं रहती हैं।

'मस्ती 4' में अपनी छवि को लेकर था डर: एलनाज नोरोजी

मुंबई। भारतीय मनोरंजन जगत में फिल्मों व वेब सीरीज में बोल्ड कंटेंट को लेकर दर्शकों की प्रतिक्रिया पहले से कहीं अधिक विभाजित दिखाई देती है। ऐसे माहौल में जब कोई अभिनेता या अभिनेत्री एडल्ट-कॉमेडी जैसी संवेदनशील शैली में काम करने का निर्णय लेता है, तो यह उनके करियर के लिए एक बड़ा और जोखिम भरा कदम साबित हो सकता है। इसी तरह की स्थिति का सामना अभिनेत्री एलनाज नोरौजी को तब करना पड़ा, जब उन्हें 'मस्ती 4' जैसी बोल्ड कॉमेडी फिल्म का प्रस्ताव मिला। एक खास बातचीत में एलनाज नोरौजी ने बताया कि शुरुआत में वे इस फिल्म के लिए उत्साहित कम और आशंकित ज्यादा थीं। उन्होंने कहा कि आज की ऑडियंस बोल्ड कॉमेडी को लेकर बहुत संवेदनशील हो चुकी है और इस तरह की फिल्मों पर लोगों की प्रतिक्रिया काफी तेज़ और कभी-कभी नकारात्मक भी होती है। उनके अनुसार कलाकार पर इस बात का बड़ा दबाव होता है कि ऐसे किरदार से उनकी छवि पर क्या प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें भी डर था कि कहीं 'मस्ती 4' में काम करने से उनके बारे में गलत धारणा न बन जाए। हालांकि, जैसे-जैसे उन्होंने फिल्म की कहानी पढ़ी और उसके कॉन्सेप्ट को समझा, उनका नजरिया धीरे-धीरे बदलता गया। एलनाज ने कहा कि 'मस्ती 4' केवल चुटकुलों और हल्की-फुल्की मजाकिया स्थितियों पर आधारित फिल्म नहीं है, बल्कि इसमें नए तत्व और अलग अंदाज का मनोरंजन जोड़ा गया है। उनके मुताबिक, फिल्म पहले के पार्ट्स की तुलना में अधिक आधुनिक और परिपक्व प्रस्तुति की कोशिश करती है। इसी वजह से उन्होंने इस प्रोजेक्ट से जुड़ने का निर्णय लिया। उनका कहना है कि इस फिल्म ने उन्हें अपने अभिनय के एक नए पहलू को दर्शकों के सामने लाने का मौका दिया। उन्होंने बताया कि वे हमेशा चाहती हैं कि दर्शक उन्हें केवल एक ही प्रकार के रोल में न देखें और उनकी एक्टिंग रेंज को समझें। 'मस्ती 4' में बिंदिया का किरदार उन्हें इस दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है। यही वजह है कि उन्होंने अपनी प्रारंभिक झिझक के बावजूद इसे स्वीकार किया। 'मस्ती 4' एक एडल्ट-कॉमेडी फिल्म है, जिसे मिलाप मिलन जावेरी ने निर्देशित किया है और यह सुपरहिट 'मस्ती' फ्रेंचाइज़ी का चौथा भाग है। फिल्म में रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी एक बार फिर मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

2 दिन में 'धुरंधर' का धुआंधार प्रदर्शन, बॉक्स ऑफिस पर छाया तूफान

मुंबई। फिलहाल बॉक्स ऑफिस पर एक ही नाम का शोर है, 'धुरंधर'। रणवीर सिंह की यह मेगा-मसाला एंटरटेनर रिलीज होते ही ऐसा तूफान लेकर आई है कि केवल दो दिनों में इसकी कमाई आसमान छू चुकी है। रणवीर का गुस्सा, स्टाइल और धमाकेदार एक्शन दर्शकों को दीवाना बना रहा है। सोशल मीडिया पर भी चर्चा है कि अभिनेता अपने पुराने, जबरदस्त अंदाज में वापसी कर चुके हैं। सैकनिल्क के शुरुआती अनुमानों के मुताबिक 'धुरंधर' ने रिलीज के दूसरे दिन 31 करोड़ रुपये का शानदार कारोबार किया। इसके साथ ही फिल्म की दो दिन की कुल कमाई भारत में 58 करोड़ रुपये हो गई है। पहले दिन फिल्म ने 27 करोड़ रुपये बटोरे थे, जो रणवीर सिंह के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग साबित हुई। सिनेमाघरों के बाहर लंबी कतारें और सोशल मीडिया पर बढ़ती चर्चा इस बात का सबूत हैं कि फिल्म दर्शकों को खूब पसंद आ रही है।

जल्द करेगी 100 करोड़ क्लब में एंट्री

आदित्य धर के निर्देशन में बनी 'धुरंधर' ने सिर्फ दो दिनों में ही 50 करोड़ क्लब में दमदार एंट्री कर ली है। अगर इसी रफ्तार से फिल्म कमाई करती रही, तो जल्द ही यह 100 करोड़ क्लब में शामिल हो जाएगी। 280 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म में रणवीर के साथ अर्जुन रामपाल, आर माधवन, संजय दत्त, अक्षय खन्ना और सारा अर्जुन जैसे सितारे नजर आए हैं। निर्देशक आदित्य धर पहले भी अपनी फिल्म 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' से सबको चौंका चुके हैं, जो विक्की कौशल की करियर-परिभाषित फिल्मों में से एक रही। इसके अलावा आदित्य ने 'आर्टिकल 370' का भी निर्माण किया था, जिसमें यामी गौतम लीड रोल में थीं। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी इस फिल्म की तारीफ की थी। 20 करोड़ के बजट में बनी 'आर्टिकल 370' ने 110 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की थी।

'तेरे इश्क में' भी दे रही है टक्कर

इसी दौरान सिनेमाघरों में धनुष और कृति सैनन की फिल्म 'तेरे इश्क में' भी मजबूती से टिक हुई है। अपनी रिलीज के 9वें दिन फिल्म ने 5.50 करोड़ का कारोबार किया और कुल कलेक्शन 92.90 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

सोनारिका भदौरिया के घर आई नन्ही परी, शेयर की झलक

मुंबई। लोकप्रिय धारावाहिक 'देवों के देव महादेव' फेम अभिनेत्री सोनारिका भदौरिया एक बच्ची की मां बन गई हैं। रविवार को अभिनेत्री ने पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी। अभिनेत्री सोनारिका ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में बेटी के पैर नजर आ रहे है, जिसे वे और उनके पति प्यार से पकड़े हुए है। पोस्ट शेयर करते हुए अभिनेत्री ने इसे कैप्शन दिया, "5-12-2025। हमारी सबसे प्यारी और बड़ी नेमत घर आ गई है और आते ही हमारी दुनिया बन गई है।" अभिनेत्री के पोस्ट शेयर करने के बाद इंडस्ट्री, दोस्त, फैंस और साथी कलाकारों ने कमेंट सेक्शन पर प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी। कुछ लोगों ने हार्ट और फायर इमोजी से प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री आरती सिंह ने लिखा, "मैं तुम्हारे लिए बहुत खुश हूं। बधाई हो।" अशनूर कौर ने लिखा, "बधाई हो।" लता सबरवाल ने भी "बधाई हो" कमेंट किया। बता दें कि अभिनेत्री की बेटी का जन्म 5 दिसंबर को ही हो गया था, लेकिन उसके जन्म की जानकारी उन्होंने अभी दी है। हालांकि, उन्होंने अभी तक बेटी के नाम की घोषणा नहीं की है। सोनारिका भदौरिया ने साल 2024 में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड विकास पाराशर से शादी की थी। दोनों की पहली मुलाकात जिम में हुई थी। इसके बाद दोनों ने 7 साल एक-दूसरे को डेट किया था। अभिनेत्री ने साल 2011 में धारावाहिक 'तुम देना साथ मेरा' से टीवी सीरियल की शुरुआत की थी। इसके बाद वे 'पृथ्वी वल्लभ' और 'दास्तान-ए-मोहब्बत सलीम अनारकली' जैसे शो में नजर आईं। अभिनेत्री ने सिर्फ टीवी शोज ही नहीं किए हैं। उन्होंने साउथ सिनेमा में काम कर अपनी खास पहचान बनाई है। सोनारिका ने तेलुगु फिल्म 'जादूगाडु' और 'ईदो रकम आदो रकम' में भी काम किया। अभिनेत्री भले ही कई बेहतरीन प्रोजेक्ट का हिस्सा रही हैं, लेकिन उन्होंने टीवी सीरियल 'देवों के देव महादेव' की पार्वती बनकर कमाया है। सही मायने में एक्ट्रेस को घर-घर में पहचान इसी सीरियल से मिली थी।

गुजराती सिंगर किंजल दवे ने की सगाई

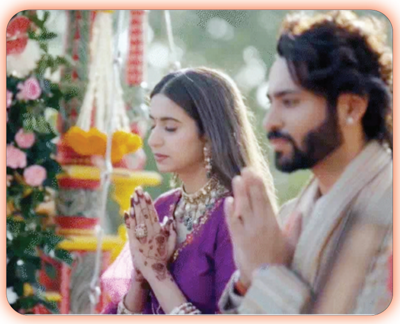

मुंबई। लोकप्रिय गुजराती सिंगर किंजल दवे ने 6 दिसंबर 2025 को सगाई कर ली है। सगाई का आधिकारिक वीडियो उन्होंने अपने फेसबुक पेज पर पोस्ट करते हुए इस खुशखबरी की घोषणा की। किंजल दवे ने एक्टर और बिजनेसमैन ध्रुविन शाह के साथ सगाई की है। यह खबर सामने आते ही उनके फैंस में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि किंजल दवे ने अप्रैल 2018 में पवन जोशी के साथ सगाई की थी, लेकिन वर्ष 2023 में उनकी सगाई टूट गई। करीब दो साल बाद अब किंजल ने एक नई शुरुआत करते हुए 6 दिसंबर 2025 को सगाई कर ली है। 5 दिसंबर को गोलधाणा में रस्म आयोजित की गई थी और 6 दिसंबर को भव्य सगाई समारोह रखा गया था।

विदेश

संक्षिप्त खबरें

दक्षिण-पूर्वी अलास्का में 7.0 तीव्रता का भूकंप, 20 बार हिली धरती

जुनो (अलास्का)। दक्षिण-पूर्वी अलास्का में स्थानीय समयानुसार दोपहर भूकंप का शक्तिशाली झटका महसूस किया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 7.0 मापी गई। इसके बाद कम से कम 20 और झटके महसूस किए गए। 7.0 तीव्रता का भूकंप का केंद्र अलास्का की राजधानी जुनो से लगभग 230 मील उत्तर-पूर्व में था। फिलहाल किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट में कहा गया कि यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे और यूनिवर्सिटी ऑफ अलास्का के भूकंप केंद्र के अनुसार, शनिवार दोपहर के आसपास अमेरिका-कनाडा सीमा के पास दक्षिण-पूर्वी अलास्का में 20 से ज्यादा बार भूकंप आया। 7.0 तीव्रता के भूकंप के बाद 5.3 तीव्रता और 5.0 तीव्रता के भूकंप के झटके भी महसूस किए गए। भू वैज्ञानिकों के अनुसार यह झटके अमेरिका के अलास्का राज्य और कनाडा के युकोन क्षेत्र की सीमा पर एक पहाड़ी पर कम आबादी वाले इलाके में आए। इनमें से कुछ की तीव्रता तो मात्र3.3 रही। अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली के अनुसार सुनामी का कोई खतरा नहीं है।

पश्चिमी नेपाल में महसूस किये गये भूकंप के हल्के झटके

काठमांडू। पश्चिमी नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत में रविवार सुबह 4.6 तीव्रता का भूकंप आया हालांकि किसी प्रकार के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप सुबह आठ बजकर 28 मिनट पर आया और इसका केंद्र दारचुला जिले के घुसा क्षेत्र में स्थित था। पड़ोसी जिलों में भी झटके महसूस किए गए। हालांकि, भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। पश्चिमी नेपाल में अक्सर भूकंप आते रहते हैं।

पाकः सुरक्षा बलों ने जाफर एक्सप्रेस पर हमले को नाकाम किया

कराची। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों ने जाफर एक्सप्रेस यात्री ट्रेन पर हमले की कोशिश को नाकाम कर दिया। मीडिया में रविवार को आई एक खबर में यह जानकारी दी गई। समाचारपत्र 'डॉन' की खबर के अनुसार, पेशावर जाने वाली ट्रेन की पटरी पर शनिवार को प्रांत के नसीराबाद इलाके में अज्ञात चरमपंथियों ने विस्फोटक लगा दिया था। पुलिस के एक अधिकारी के हवाले से खबर में बताया गया कि विस्फोटक लगाए जाने के बारे में सूचना मिलने के बाद कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने इलाके की घेराबंदी कर उसे निष्क्रिय कर दिया। इसी इलाके में एक महीने पहले एक विस्फोट हुआ था, जिससे ट्रेन बाल-बाल बच गयी थी। कुछ महीने पहले, इस ट्रेन पर हुए एक घातक हमले में 26 लोग मारे गए थे।

बलोचिस्तान में प्रतिबंधित संगठन बीआरए के 100 से ज्यादा विद्रोहियों का आत्मसमर्पण

क्वेटा। पाकिस्तान के बलोचिस्तान में आजादी की मांग कर रहे एक प्रतिबंधित संगठन के 100 से ज्यादा विद्रोहियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इस संगठन का नाम बलोचिस्तान रिपब्लिकन आर्मी (बीआरए) है। बीआरए राज्य में बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) जैसे अन्य समूहों के साथ मिलकर अलग राष्ट्र बनाने की मांग का समर्थन करता है। पाकिस्तान की सेना ने शनिवार को बताया कि हथियार डालने वालों में वरिष्ठ कमांडर भी शामिल है। इस घटचना को अशांत प्रांत में सुरक्षा और सुलह की कोशिश के लिए एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

पाकिस्तान के अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून और दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सेना की जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि इसके अलावा प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के खात्मे के लिए जारी अभियान के तहत पांच दिसंबर को डेरा बुगती में पांच विद्रोहियों को मार गिराया गया। पाकिस्तान की सेना का आरोप है कि टीटीपी को भारत मदद करता है। आईएसपीआर ने साफ किया है कि डेरा बुगती के सुई में आत्मसमर्पण करने वालों में बीआरए के ब्राहमदाग बुगती गुट के कमांडर वडेरा नूर अली चकरानी ने 100 से ज्यादा पूर्व आतंकवादियों के साथ अपने हथियार डाल दिए। इस समूह ने राष्ट्रीय झंडा फहराया और मुख्यधारा में लौटने का संकल्प लिया।

रिपोर्ट के अनुसार, इस अवसर पर बुगती ने आसपास के पहाड़ी इलाकों में छिपे हुए अन्य आतंकवादियों से हिंसा छोड़ने और राज्य की मुख्यधारा में लौटने की अपील की। सुई टाउन के चेयरमैन इज्जतुल्लाहअमन बुगती ने बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री के नजरिए की तारीफ की। अधिकारियों का कहना है कि चक रानी जनजाति के सदस्यों को मुख्यधारा में लाना बीआरए के लिए मनोवैज्ञानिक झटका है।

बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने कमांडर और उन सभी लोगों को बधाई दी, जिन्होंने शांतिपूर्ण जीवन में लौटने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि वडेरा नूर अली चकरानी और उनके 100 से अधिक साथियों का यह फैसला सराहनीय है। उन्होंने कहा कि यह एक साफ संदेश है कि राज्य ने बातचीत के दरवाजे कभी बंद नहीं किए हैं।

इस बीच द बलोचिस्तान पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए जाफर एक्सप्रेस और बोलन मेल एक बार फिर रद्द कर दिया गया है। दोनों ट्रेनों को जैकबाबाद पहुंचते ही रद्द किया गया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया। स्थिति की समीक्षा की जा रही है। स्थिति सामान्य होते ही वे रेल सेवा बहाल होने की जानकारी दी जाएगी।

नेपाल के मधेश प्रदेश में एक महीने के भीतर तीसरी बार सीएम पद का शपथग्रहण हुआ

काठमांडू। मधेश प्रदेश के नवनियुक्त मुख्यमंत्री कृष्णप्रसाद यादव ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की है। उन्हें प्रदेश प्रमुख सुरेन्द्र लाभ कर्ण ने शपथ दिलाई। एक महीने में यह तीसरी बार है, जब मुख्यमंत्री पद का शपथग्रहण हुआ है। नेपाली कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री नियुक्त हुए यादव ने रविवार को ही तीन सदस्यीय मंत्रिमंडल ने भी शपथ ग्रहण की है। इनमें जनमत के महेश यादव को वित्त मंत्री, नेपाली कांग्रेस की तरफ से जंगी लाल यादव और एकीकृत समाजवादी पार्टी की तरफ से कनिष्क पटेल ने भी मंत्री के रूप में शपथ ली है। शपथ के बाद मुख्यमंत्री यादव ने बताया कि वे आने वाली 10 तारीख को प्रदेशसभा से विश्वास मत लेंगे। सत्ता पक्ष के सात दलीय गठबंधन की आज हुई बैठक में तीन दिन बाद ही विश्वास मत लेने का निर्णय किया गया। कांग्रेस प्रदेशसभा संसदीय दल के नेता यादव को एमाले को छोड़कर सात दलों के ७७ प्रदेश सभा के समर्थन में संविधान की धारा १६८(२) के तहत मुख्यमंत्री नियुक्त किया गया है। उन्हें कांग्रेस के २२, जसपा के १८, जनमत के १२, माओवादी के ९, लोसपा के ८, एकीकृत समाजवादी के ७ और नागरिक उन्मुक्ति के एक सांसद का समर्थन प्राप्त है।

चीनी सैन्य विमान ने जापानी लड़ाकू विमानों पर अपना 'रडार लॉक' किया

तोक्यो। चीनी विमानवाहक पोत लियाओनिंग से उड़ान भरने वाले एक सैन्य विमान ने जापान के ओकिनावा के पास जापानी लड़ाकू विमानों पर अपना 'रडार लॉक' कर दिया जिसे लेकर जापान ने चीन के समक्ष विरोध दर्ज कराया है। 'रडार लॉक' का मतलब होता है- किसी सैन्य विमान का अपने रडार को दूसरे विमान या लक्ष्य पर इस तरह केंद्रित करना कि वह उसकी सटीक स्थिति, गति और दिशा पर लगातार नजर रख सके।

जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि चीन के सैन्य विमान जे-15 ने शनिवार को दो बार अलग-अलग समय में जापानी एफ-15 लड़ाकू विमानों पर अपना रडार लॉक किया। मंत्रालय ने कहा कि एक बार दोपहर में लगभग तीन मिनट के लिए और फिर शाम को लगभग 30 मिनट के लिए ऐसा किया गया। मंत्रालय के अनुसार, चीनी विमान से उन जापानी लड़ाकू विमानों पर 'रडार लॉक' किया जिन्होंने चीन की ओर से हवाई क्षेत्र के संभावित उल्लंघन के खिलाफ प्रतिक्रिया दी थी। मंत्रालय ने कहा कि जापानी हवाई क्षेत्र का कोई उल्लंघन नहीं हुआ और इस घटना से कोई नुकसान होने की भी सूचना नहीं मिली। यह स्पष्ट नहीं है कि 'रडार लॉक' करने की घटना में दोनों बार वही चीनी जे-15 विमान शामिल था या नहीं।

जापान ने जताया विरोध

जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने रविवार की सुबह पत्रकारों से कहा कि जापान ने चीन के समक्ष विरोध जताया और इसे 'एक खतरनाक कृत्य' करार देते हुए कहा कि यह सुरक्षित विमान संचालन के नियमों के खिलाफ है। उन्होंने कहा, ऐसी घटना का होना अत्यंत निंदनीय है। हमने चीनी पक्ष के समक्ष सख्त विरोध जताया है और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाने मांग की है।

बलोचिस्तान में सैन्य अभियान, टीटीपी के 12 विद्रोही मारे गए

इस्लामाबाद। बलोचिस्तान के कुलात जिले में एक खुफिया आधारित अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) 12 विद्रोहियों को मार गिराया। पाकिस्तान सेना की जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने आज कुछ देर पहले मीडिया को बताया कि यह अभियान शनिवार को आतंकवादियों की मौजूदगी की खबर मिलने पर शुरू किया गया। आईएसपीआर के अनुसार सुरक्षा बलों ने इलाके को चारों ओर से घेरकर विद्रोहियों के ठिकाने पर प्रभावी ढंग से हमला किया। इस दौरान भारी गोलीबारी के बीच टीटीपी के 12 लड़ाके मारे गए इनके पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद हुए हैं।

भारतीय विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव चार दिन की नेपाल यात्रा पर

काठमांडू। भारतीय विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव मुनु महावर रविवार से नेपाल की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। उनकी यात्रा का उद्देश्य भारत सरकार की वित्तपोषित विभिन्न परियोजनाओं में हो रही प्रगति का निरीक्षण करना है। वे काठमांडू में चल रही चुनावी तैयारियों की समीक्षा भी करेंगे। सितंबर की शुरुआत में नेपाल में हुए जन-जी आंदोलन के बाद काठमांडू आने वाले वे सबसे वरिष्ठ भारतीय अधिकारी हैं।

नेपाल के विदेश मंत्रालय के मुताबिक वे मंगलवार को प्रधानमंत्री सुशीला कार्की, वित्त मंत्री रमेश्वर खनाल, वाणिज्य मंत्री अनिल सिन्हा, गृह मंत्री ओमप्रकाश अर्याल सहित अन्य अधिकारियों से मुलाकात करेंगे और मार्च में होने वाले चुनाव के लिए भारत के सहयोग और समर्थन पर चर्चा करेंगे।वे नेपाल के विदेश सचिव अमृत राई से भी मुलाकात करके भारत समर्थित अनेक परियोजनाओं की स्थिति तथा समग्र नेपाल-भारत संबंधों पर बातचीत करेंगे। नेपाल के विदेश मंत्रालय के अनुसार भारतीय अतिरिक्त विदेश सचिव महावर सोमवार को लुंबिनी जाएंगे और भैरहवा में एकीकृत जांच चौकी का निरीक्षण करेंगे। वह लुंबिनी में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके अलावा वे भारत के आर्थिक सहयोग से निर्माणाधीन अन्य परियोजनाओं जैसे हाई इम्पैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स की प्रगति का भी जायजा लेंगे। उनकी यात्रा का मुख्य उद्देश्य नेपाल में चुनाव तैयारियों की प्रगति को समझना और मार्च में होने वाले चुनाव के लिए भारत के पूर्ण समर्थन का आश्वासन देना है।

नेपाल सरकार ने विदेश मंत्रालय के माध्यम से 5 मार्च को होने वाले चुनाव के लिए भारत से 600 से अधिक प्रकार के वाहनों की मांग की है। भारतीय अधिकारियों ने नेपाली पक्ष को सूचित किया है कि वाहनों की खरीद प्रक्रिया जारी है और समय पर उनकी आपूर्ति कर दी जाएगी। नेपाल का निर्वाचन आयोग और सुरक्षा एजेंसियां इन वाहनों का उपयोग चुनाव में करेंगी।